दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार

प्रदेश के ताजा समाचार

अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत

7014997449, 9636058201

Email : deshkadarpannews@gmail.com

web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-5, अंक:72

जयपुर, सोमवार, 19 मई 2025

मूल्य : 5.00 पेज:

देश का Darpan News TV

FW FASTWAY

Comming Soon

काम करने के लिए सम्पर्क करें

लिक्विडेशन में गई पैक्स का जल्द निपटारा कर नए रजिस्ट्रेशन के लिए नीति बनेगी : अमित शाह

एजेंसी

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में 2029 तक सभी पंचायत में पैक्स रजिस्ट्रेशन हो और 2 लाख नई सेवा सहकारी मंडलियों और डेयरियों को रजिस्ट्रेशन कराने का अभियान चलाया गया है। परंतु, यह पैक्स पहले की तरह बीमार नहीं हो, इसके लिए 22 प्रकार की गतिविधियों को पैक्स से जोड़ने का काम केन्द्र सरकार ने किया है। विश्वास है कि आगामी दिनों में एक भी पैक्स आर्थिक रूप से बीमार नहीं होंगे। इसके अलावा जल्द ही केन्द्र सरकार लिक्विडेशन में गई पैक्स का जल्द निपटारा कर इनकी जगह नए पैक्स के रजिस्ट्रेशन के लिए नीति लाएगी। अमित शाह रविवार को अहमदाबाद के सोला स्थित साइंस सिटी में गुजरात राज्य सहकारी संघ की ओर से आयोजित विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका महा सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें देशभर के करीब 4 हजार सहकारी अग्रणी शामिल हुए। इस महा सम्मेलन में देश के सहकारी क्षेत्र में हुई 57 नई पहल और प्राकृतिक खेती के संबंध में भी चर्चा होगी। इससे पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यूनाइटेड नेशन ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है। सहकारिता समग्र विश्व के अंदर आज इतनी प्रासंगिक है जितना 1919 वर्ष के दौरान था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 से भारत में

सहकारी आंदोलन को पुनर्जीवित करने का बहुत बड़ा प्रयास यहां से शुरू हुआ। इसका अनुमोदन करने के लिए देश के अंदर सहकारिता वर्ष मनाने की शुरुआत करने का निर्णय हुआ। इसके तहत दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्मेलन हुआ जिसमें सहकार से समृद्धि और विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका इन दोनों स्लोगन देश के सहकारिता नेताओं के समक्ष रखा गया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज गुजरात में सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। वर्ष 2021 से लेकर 2025 तक देश के सहकारिता के क्षेत्र में जो-जो परिवर्तन हुए, इसे वक्ताओं ने यहां रखा। परंतु, जब तक यह परिवर्तन नीचे पैक्स और पैक्स के सदस्यों और किसानों तक नहीं पहुंचता है, तब तक यह परिवर्तन भी सहकारी क्षेत्र को मजबूत नहीं कर सकता है। सहकारी संस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए सभी तरह की मंडलियों के अंदर जागरूकता, सहकार का प्रशिक्षण और पारदर्शिता यह तीनों लाने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का सहकार विभाग सहकारिता वर्ष का लक्ष्य भी यही रखा है। अमित शाह ने कहा कि साइंस ऑफ कॉरपोरेशन और साइंस इन कॉरपोरेशन यानी सहकारिता के विज्ञान को पुनर्जीवित कर आधुनिक बनना और विज्ञान का सहकारिता में उपयोग करने पर केन्द्र सरकार ने बल दिया है। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि आजादी के आंदोलन के समय खड़ा हुआ यह सहकारिता आंदोलन 75 साल की आजादी में एक प्रकार से लकवाग्रस्त हो गया। देश के सहकारी नक्शे पर नजर डालें तो देश के बड़े हिस्से पर से सहकारिता आंदोलन समाप्त हो चुका है। गुजरात में इसका अधिक असर नहीं हुआ है। परंतु, गुजरात के सहकारी नेताओं की यह जिम्मेदारी है कि इसका समान रूप से विकास हो। सभी जिले और राज्य सहकारिता आंदोलन से युक्त बनें।

रक्षा राज्य मंत्री 17वीं लंगकावी प्रदर्शनी में भाग लेने जाएंगे मलेशिया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ 20 से 24 मई तक मलेशिया के लंगकावी में आयोजित होने वाली लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी (एलआईएमए 2025) के 17वें संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एलआईएमए 2025 में एक भारतीय मंडप स्थापित किया गया है, रक्षा राज्य मंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, बीईएमएल, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड व ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड सहित कई डीपीएसयू तथा अन्य निजी रक्षा कंपनियां इस प्रदर्शनी में भाग लेंगी और भारतीय रक्षा उद्योग जगत की सामर्थ्य का प्रदर्शन करेंगी। इस वर्ष, डोर्नियर विमान और एक भारतीय नौसेना जहाज सहित भारतीय रक्षा परिसंपत्तियां भी लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री एवं अंतरिक्ष प्रदर्शनी 2025 में भाग लेंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा राज्य मंत्री इस प्रदर्शनी के अवसर पर मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद खालिद बिन नॉर्डिन से मुलाकात करेंगे। इस यात्रा से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी और भी मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि भारत और मलेशिया के बीच सशक्त एवं बहुआयामी संबंध हैं, जो रक्षा व सुरक्षा सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। दोनों देश साल 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के दृष्टिकोण के तहत कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सड़क से फिसलकर 20 फीट गहरी खाई में गिरी बस, 30 यात्री घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के वलपराई के निकट तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) की एक बस पलट कर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में बस सवार 30 लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे वलपराई घाट सेक्शन के घुमावदार पहाड़ी रास्तों पर कावेर्स एस्टेट क्षेत्र के पास हुई। 72 यात्रियों को लेकर जा रही यह बस तिरुपुर से वलपराई जा रही थी, तभी पहाड़ी क्षेत्र में एक मोड़ पर चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी, यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में सभी यात्री बच गए, लेकिन कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जैसे कि कुछ लोगों को फ्रैक्चर, कट और चोट आई। घटना की सूचना मिलने पर, वलपराई पुलिस मौके पर पहुंची, 108 एम्बुलेंस सेवाओं ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। स्थानीय लोगों के साथ आपातकालीन सेवा दलों की मदद से दुर्गम इलाके में से घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें वलपराई स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है।

मोदी सरकार के फैसले और सेना के सामर्थ्य से सारा देश खुश : धनखड़

चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने बादली में आयोजित तिरंगा यात्रा में उमड़े जन सैलाब को संबोधित करते हुए कहा कि यह तिरंगा यात्रा सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। मोदी सरकार के साहसिक फैसलों और सेना के सामर्थ्य से पाकिस्तान चार दिन में ही घुटनों पर आ गया और सीजफायर की गुहार लगाने लगा। हमारी बहादुर सेना ने पहलगाम का बदला लेते हुए पाक के अंदर आतंकी ठिकाने तहस नहस किए, फिर हिमायत में उधार के ड्रोन लेकर आई पाक सेना को हवा में उड़ा दिया । पाक के एयरबेस और अन्य सैन्य ठिकानों को तबाह किया। ये नए भारत की सेना का पराक्रम है। जो पाकिस्तान ने झेला और दुनिया ने देखा । पहले ऐसी कार्रवाई इजरायल करता था, अब भारतीय सेना के डिफेंस मैकेनिज्म को दुनिया ने देखा, जिसका सभी लोहा मान रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के अदम्य साहस और सामर्थ्य से पूरे देश में जोश का माहौल है । हर भारतवासी अपने सैनिकों के पराक्रम को सलाम करने के लिए तिरंगा यात्रा में शामिल हो रहा है। बलिदानियों को नमन किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत की एक झलक है। मोदी सरकार के फैसले और सेना के सामर्थ्य से सारा देश खुश है। उन्होंने कहा कि पहलगाम और उससे पहले कि आतंकी घटना के दोषियों को भारत की सेना ने ढूंढ ढूंढ कर मारा है। नौ आतंकी ठिकाने मिले, सभी को सटीक चोट मारी और ध्वस्त कर दिए। पाकिस्तान की सेना तुर्की और चीन से उधार के ड्रोन लेकर मदद को आई तो नए भारत की सेना ने हवा में ही उनको उड़ा दिया। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे नए भारत की सेना ने अपने सामर्थ्य से पाक के कई एयरबेस और अन्य सैन्य ठिकानों को बर्बाद कर दिया।

देलाड़ी के राजेन्द्र मीणा को राज्यपाल ने दी पीएचडी की उपाधि

दौसा। ग्राम देलाड़ी निवासी राजेन्द्र कुमार मीणा पुत्र रामस्वरूप मीणा को राजस्थान विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। मीणा को यह उपाधि 'अजमेर मेरवाड़ा का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास' विषय पर शोध के लिए दी गई है। मीना ने यह शोध कार्य राजस्थान विश्वविद्यालय इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. अभिमन्यु सिंह आढा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। वर्तमान में राजेंद्र मीणा सहायक आचार्य के पद पर तिलक पीजी कॉलेज बस्सी में कार्यरत हैं।

हैदराबाद में गुलजार हाउस में आग लगने से 17 लोगों की मौत

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार तड़के भीषण आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गयी।तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग के अनुसार चारमीनार के गुलजार हाउस चौरास्ता में स्थित जी+2 बिल्डिंग में सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद मोगलपुरा दमकल केंद्र से एक वाटर टेंडर और चालक दल सबसे पहले मौके पर पहुंचे। आग भूतल पर लगी थी और तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। अग्निशमन, तलाश और बचाव अभियान एक साथ शुरू किया गया। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने पहली मंजिल पर फंसे सत्रह व्यक्तियों को बचाया और इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती

कराया। कुछ देर बाद विभिन्न स्थानों से कुल 12 अग्निशमन उपकरण घटनास्थल पर पहुंचे। कड़ी मुशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और फायर रोबोट ने इस अभियान में अहम भूमिका निभाई। आग लगने के कारणों की फिलहाल पता नहीं चल पाया है। संपत्ति के नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है। मृतकों की पहचान प्रहलाद (70), मुन्नी (70), राजेंद्र मोदी (65), सुमित्रा (60), हमी (7), अभिषेक (31), शीतल (35), प्रियांश (4), इराज (2), आरुषि (3), ऋषभ (4), प्रथम (1.5 वर्ष), अनुयान (3), वर्षा (35), पंकज (36) रजनी (32) और इद्रू (4) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और तत्काल बचाव और राहत उपायों के आदेश दिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार और पीड़ित परिवारों को पूर्ण सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कुछ पीड़ितों से व्यक्तिगत रूप से बात की और प्रतिक्रिया की निगरानी के लिए हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ समन्वय किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटनास्थल का दौरा किया और अग्निशमन विभाग के महानिदेशक नागी रेड्डी और दक्षिण क्षेत्र की पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) स्नेहा मिश्रा से जानकारी जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि आग लगने की सूचना सुबह 6:16 बजे मिली और टीमों ने तुरंत कार्रवाई की। हालांकि मदद पहुंचने तक कई पीड़ित गंभीर रूप से जख्मी हो चुके थे, लेकिन त्वरित प्रतिक्रिया से जानमाल के और नुकसान को रोकने में मदद मिली। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरी जांच की जाएगी और पुष्टि की कि प्रारंभिक निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि यह एक दुर्घटना थी और इसमें किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है।

मोदी ने जतायी संवेदना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि दिये जाने की घोषणा की है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 02 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

आरसीपी की पार्टी का जनसुराज में विलय

जनसुराज के सूत्रधार ने जदयू कार्यकर्ताओं से जन सुराज में शामिल होने का आह्वान किया और कहा कि जदयू के कार्यकर्ता ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं।

एजेंसी

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने रविवार को अपनी पार्टी आप सबकी आवाज (आसा) का जनसुराज में विलय कर दिया और बेहतर बिहार के निर्माण के लिए जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। श्री सिंह ने रविवार को यहां अपने समर्थकों के साथ श्री किशोर की मौजूदगी में अपनी पार्टी आसा का जनसुराज में विलय करने की घोषणा की। श्री किशोर और श्री सिंह दोनों ने अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता से मुक्त बिहार के निर्माण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर श्री किशोर ने याद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार उनसे जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का इस तरह विस्तार करने को कहा था कि अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के लिए कोई जगह न

हो। उन्होंने कहा, 'जदयू अब वह पार्टी नहीं है जो कभी मुख्यमंत्री श्री कुमार के गतिशील नेतृत्व में थी क्योंकि श्री कुमार की शारीरिक और मानसिक क्षमता इतनी कम हो गई है कि वह खुद कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं, जिसके बाद उनके करीबी चार मंत्रियों ने पार्टी को हाईजैक कर लिया है। जनसुराज के सूत्रधार ने जदयू कार्यकर्ताओं से जन सुराज में शामिल होने का आह्वान किया और कहा कि जदयू के कार्यकर्ता ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं। श्री सिंह ने श्री किशोर की सराहना की और याद दिलाया कि कैसे दोनों ने वर्ष 2015 में महागठबंधन की जीत और उसकी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने बिहार में भाजपा की जीत की लय को रोक दिया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'श्री किशोर बेहतर बिहार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और यह उनकी पार्टी के जन सुराज में विलय के बाद जल्दी ही हासिल हो सकता है और दोनों इसके लिए मिलकर काम करेंगे।' उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन में बिहार के विकास के लिए कोई विचार नहीं है और उनका ध्यान गुजरात पर है। श्री सिंह ने जोर देकर कहा, प्रति व्यक्ति आय का राष्ट्रीय औसत दो लाख रुपये है जबकि बिहार में यह सिर्फ 60 हजार रुपये है और भारत के वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के बाद भी यह अंतर बना रहेगा, जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दावा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि उन्होंने बिहार में सोना सहित विशाल खनिज संसाधनों के दोहन के लिए मुख्यमंत्री श्री कुमार को कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन्होंने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में बिहार में खनिजों के विशाल संसाधनों के बारे में बताया था, लेकिन नीतीश कुमार सरकार इसे दोहन करने के लिए कदम उठाने में उदासीन थी।

पाकिस्तानी सैन्य संचालन महानिदेशक के साथ बातचीत नहीं : सेना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक के साथ आज कोई वार्ता निर्धारित नहीं है। सेना ने रविवार सुबह बताया कि

मीडिया की कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर बनी सहमति आज खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि यह भी सवाल उठाएं जा रहे हैं कि क्या आज दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच कोई वार्ता निर्धारित है । सेना की ओर से कहा गया है कि 12 मई को हुई दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की बातचीत में लिए गए निर्णय के अनुसार सैन्य कार्रवाई को स्थगित करने के लिए बनी सहमति के समाप्त होने की कोई तिथि नहीं है। सेना ने कहा कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की वार्ता आज निर्धारित नहीं है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच 12 मई को हुई बातचीत के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया था कि सैन्य कार्रवाई को अगले रविवार यानि 18 मई तक रोकने पर सहमति बनी है। इसे देखते हुए मीडिया की रिपोर्टों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे।

खरगे-राहुल ने पहला परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिकों को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश का पहला परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिकों को याद करते हुए उन्हें आज नमन किया। उन्होंने परमाणु वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को याद करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से ही भारत परमाणु परीक्षण करने वाला दुनिया का छठा देश बना था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी याद किया और कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी असाधारण नेतृत्व का परिचय देते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण कराया था।श्री खरगे ने कहा '51 साल पहले, भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था, जिसका कोड नाम 'स्माइलिंग बुद्धा' था और इस तरह के परीक्षण करने वाला दुनिया का छठा देश बन गया था। हमारे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने अपनी सरलता और समर्पण के

माध्यम से यह असाधारण उपलब्धि हासिल की। हम उनके प्रति बहुत आभारी हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने विपरीत परिस्थितियों में भी असाधारण साहस दिखाते हुए अनुकरणीय और गतिशील नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जो एक ऐसी विरासत है और हमेशा बनी रहेगी।' श्री गांधी ने कहा 'श्रीमती इंदिरा गांधी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में, भारत ने 51 साल पहले राजस्थान के पोखरण में अपना पहला परमाणु परीक्षण, ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा किया था। मैं उन प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिनके समर्पण ने इसे संभव बनाया। उनकी विरासत आज भी जीवित है, जो पीढ़ियों को तकनीकी उन्नति करने और भारत की सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है।'

पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन तकनीकी गड़बड़ी के कारण पूरा नहीं हो सका

एजेंसी

श्रीहरिकोटा। पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-09 को ले जाने वाला पीएसएलवी-सी61 मिशन रविवार सुबह 4-चरणीय रॉकेट के तीसरे चरण के प्रज्वलन और अलग होने में तकनीकी गड़बड़ी के कारण पूरा नहीं हो सका।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने संवाददाताओं को बताया कि तीसरे चरण में कुछ विसंगति आने के करण मिशन पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि रॉकेट ने निर्धारित समय 0559 बजे उड़ान भरी और पहले दो चरणों का प्रज्वलन और पृथक्करण सामान्य रहा। हालांकि, तीसरे चरण (ठोस प्रणोदकों के साथ) के प्रज्वलन और पृथक्करण के दौरान तकनीकी गड़बड़ी देखी गई। उन्होंने कहा, हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि मिशन पूरा नहीं हो सका।श्री नारायणन ने कहा आज हमने श्रीहरिकोटा से 101वें प्रक्षेपण, पीएसएलवीसी61 ईओएस-09 मिशन को लक्ष्य बनाया। पीएसएलवी चार

चरणों वाला वाहन है और दूसरे चरण तक इसका प्रदर्शन सामान्य था। तीसरे चरण की मोटर पूरी तरह से चालू हो गई, लेकिन तीसरे चरण के संचालन के दौरान हमें एक विसंगति देखने को मिली और मिशन पूरा नहीं हो सका। आज 101वें प्रक्षेपण का प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण में एक अवलोकन के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका।ईओएस-09 उपग्रह को पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर मौजूदा तनाव के मद्देनजर सर्जिकल एयर स्ट्राइक के लिए एक गेम चेंजर के रूप में देखा जा रहा है और यह अपने ऑनबोर्ड सी-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार का उपयोग करके उच्च रिज़ॉल्यूशन वाली सीमा की तस्वीरें प्रदान करेगा जो दिन और रात सभी मौसम की स्थिति में तस्वीरें कैप्चर करेगा। इससे पूर्व 22 घंटे की उल्टी गिनती के बाद, इसरो का सबसे भरोसेमंद प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी61, स्ट्रैप-ऑन मोटर्स के साथ, 0559 बजे अंधेरे आसमान को रोशन करते हुए प्रथम लॉन्च पैड से शानदार उड़ान भरी। उड़ान भरने से 15 मीटर पहले मिशन निदेशक ने प्रक्षेपण क्रम शुरू किया, लेकिन तीसरे चरण में तकनीकी खराबी के कारण यह विफल हो गया।

तेजस्वी के आरोपों को जनता गंभीरता से नहीं लेती: जद यू

एजेंसी

नई दिल्ली । जनता दल-यूनाइटेड कहा है कि बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आरोपों को जनता गंभीरता से नहीं लेती है और झूठ बोलने पर उन्हें सत्ता नहीं मिल सकती। जनता दल युनाइटेड - जद यू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने रविवार को यहां कहा कि झूठ बोलने से जनता सत्ता की बागडोर तेजस्वी यादव को नहीं सौंपने वाली है।श्री

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बिहार सरकार एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कई आरोप लगाए हैं। आरोपों पर पलटवार करते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि नीतीश सरकार ने राज्य में 12 लाख नौकरियां एवं 38 लाख रोजगार देने के लक्ष्य को लगभग हासिल कर लिया है और देश के पहले तीन राज्यों में बिहार का नाम शामिल हो चुका है । श्री प्रसाद ने पलायन बढ़ने के आरोपों पर कहा कि अब तो राज्य में ÷रिवर्स माइग्रेशन÷ हो रहा है । स्पष्ट है कि लाखों लोग जो राष्ट्रीय जनता दल- राजद के जंगलराज में बिहार से बाहर गए थे, उनमें लाखों लोग वापस लौट आए हैं । पलायन के आंकड़े निरंतर घट रहे हैं । अपराध बढ़ने के आरोपों को ख़ारिज करते हुए जदयू नेता ने कहा कि प्रति लाख व्यक्ति के अपराध दर के आधार पर देश के बेहतर क़ानून व्यवस्था के राज्यों में बिहार शामिल हुआ है ।अब पति और बच्चों की सकुशल वापसी के लिए माताएं जंगल राज के दौर की तरह मन्नतें नहीं माँगती हैं।

सीएम भजनलाल शर्मा ने थड़ी पर लिया चाय का स्वाद

एजेंसी

बीकानेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शाम बीकानेर में डूंगर कॉलेज के निकट स्थित थड़ी पर चाय का स्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री की सादगी देखकर लोग अभिभूत हो गए।शर्मा ने आम आदमी की तरह कुल्लड़ चाय पी और आमजन के साथ आत्मीयता से बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेटियों को आशीर्वाद दिया। साथ ही, शर्मा ने बेटियों को पढ़ने की सीख दी और चॉकलेट भी भेंट की।

कोटा में 16.65 लाख की धोखाधड़ी का पदार्फाश, 10 घंटे में दो शातिर ठग गिरफ्तार

कोटा, 18 मई 2025: कोटा पुलिस ने मोटी रकम कमाने का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाली क-नेट कंपनी के दो शातिर अभियुक्तों को मात्र 10 घंटे में गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।

अभियुक्तों ने फरियादी आशिक हुसैन और उनके परिचितों से 16.65 लाख रुपये की ठगी की थी। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई कर इस मामले में मुख्य आरोपी शिवकुमार और बनी सिंह को धर दबोचा।

घटना का विवरण: फरियादी आशिक हुसैन (42) ने 17 मई को कुन्हाडी थाने में शिकायत दर्ज की कि करीब 6-7 माह पूर्व उनकी मुलाकात शिवकुमार मीणा से हुई। शिवकुमार ने घर बैठे कंप्यूटर पर एक घंटे काम कर लाखों-करोड़ों कमाने का लालच दिया। उसने क-नेट कंपनी के नाम पर 4 साल में 6 करोड़ रुपये और मासिक 10.50 लाख रुपये की आय का झांसा देकर फरियादी से 4.20 लाख रुपये जमा करवाए। बाद में चैन सिस्टम के जरिए और लोगों को जोड़ने की बाध्यता थोपकर कुल 16.65 लाख रुपये हड़प लिए। रकम मांगने पर अभियुक्त टालमटोल करते रहे।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई: शिकायत मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सैनी के निर्देशन में वृत्ताधिकारी गंगासहाय शर्मा और थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। टीम ने

सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साधनों और स्थानीय पूछताछ के आधार पर अभियुक्तों को कुन्हाडी से हिरासत में लिया। पूछताछ में अपराध सिद्ध होने पर 17 मई को शिवकुमार (28) और बनी सिंह (34), दोनों निवासी करौली, को गिरफ्तार कर लिया गया।

अनुसंधान जारी: गिरफ्तार अभियुक्तों से क-नेट कंपनी के तौर-तरीकों, मुख्य सरगना और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 3 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अन्य संभावित पीड़ितों और कंपनी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही है।

पुलिस की अपील: पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे ऐसी लुभावनी योजनाओं से सावधान रहें और किसी भी निवेश से पहले पूरी जांच करें। इस मामले ने एक बार फिर चैन सिस्टम और फर्जी कंपनियों के जाल में फंसने के खतरे को उजागर किया है।

भारत ने बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स और प्रोसेस्ड फूड की एंट्री पर लगाया बैन

नई दिल्ली 18 मई (पी एम ए) एक महत्वपूर्ण व्यापार नीति बदलाव के तहत भारत ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के माध्यम से देश में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी), प्रोसेस्ड फूड और अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बांग्लादेश से भारत में रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड जैसे कुछ सामानों के आयात पर भूमि बंदरगाह प्रतिबंध लगाते हुए एक अधिसूचना जारी की।

जेजेएम स्कीम : पाली जिले में होंगे 112 करोड़ के कार्य

जयपुर/पाली,18 मई। जवाई बांध आधारित पेयजल परियोजना (कलस्टर-1) जल जीवन मिशन (जेजेएम) 99 विलेज स्कीम के तहत सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव पोमावा में उच्च जलाशय के निर्माण कार्य का शिलान्यास पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने पूजा-अर्चना के साथ किया। मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने बताया कि जेजेएम की 99 विलेज स्कीम के तहत 112 करोड़ रुपए की लागत से सुमेरपुर, सोजत, बाली व मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के 99 गांवों व 100 ढाणियों में 33 ओएचएसआर, एक सीडब्लयूआर व दो पंप हाउस का निर्माण किया जाएगा। इसके तहत करीब एक

हजार किमी. लंबी पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। अकेले सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में 45 गांवों में 20 उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य होगा। पोमावा में 75 हजार लीटर व मोरडु में 50 हजार लीटर क्षमता के उच्च जलाशय का निर्माण होगा। यह कार्य आगामी एक वर्ष में पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार का एक ही लक्ष्य है कि हर घर को शुद्ध पानी मिले।

इसके लिए जल जीवन मिशन योजना के तहत प्रदेशभर के गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पाइपलाइन बिछाने, ओएचएसआर, सीडब्लयूआर व पंप हाउस के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में इन कार्यों को निर्धारित अवधि में पूरा करवाने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आपको बता दें इस परियोजना के तहत आवंटित कार्य संबंधित फर्म द्वारा केवल 5 फीसदी ही किया गया था, और पिछले कुछ अरसे से यह कार्य बंद पड़ा था। केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के प्रयासों के बाद अब यह कार्य अन्य फर्म को सबलेट करने के बाद पुनः शुरू हो पाए हैं।

ग्रामीणों के सहयोग से पोमावा में आयोजित शिलान्यास समारोह में सुमेरपुर के उप प्रधान गजेंद्र सिंह राणावत, सरपंच श्रीमती सोहनकंवर राठौड़, पूर्व सरपंच रूपाराम देवासी, उप सरपंच रमेश सिंह राजपुरोहित, समाजसेवी गोविंद सिंह राठौड़, गिरीराज सिंह राणावत मौजूद रहे।

मंदिर व गौशाला के कार्यक्रमों में हुए शामिल

केबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने अपने प्रवास के दौरान रविवार को गांव नेतरा में श्री आशापुरा माताजी मंदिर में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत की। इस दौरान आयोजकों ने उनका भव्य स्वागत किया। यहां भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष करण सिंह नेतरा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अनोप सिंह राठौड़, जयेंद्र सिंह गलधनी, बीजेपी मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल मौजूद रहे।

अवैध स्मैक की तस्करी करते हुए एक मोटरसाईकिल सहित 01 आरोपी गिरफ्तारी 101.20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जप्त

बारां/ राजस्थान

पुलिस अधीक्षक बारा राजकुमार चोधरी आईपीएस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाये गये विशेष अभियान में कार्यवाही करते हुए राजेश चोधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बारा के नेतृत्व में विकाश कुमार पुलिस उपाधीक्षक छबडा के सुपरविजन में बृजेशसिह उनि थानाधिकारी हरनावदाशाहजी द्वारा थाना स्तर पर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम हेतु विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन कर योजनाबद्ध तरीके से रामदेवजी मन्दिर के पास पाटडी जंगल में कार्यवाही करते हुए 101.20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित एक मोटरसाईकिल रजिस्ट्रेशन नम्बर आरजे28एसएस5656 को जप्त कर मुल्जिम राधेश्याम पुत्र लक्ष्मीनारायण जाति मीणा उम्र 50 साल निवासी भटगांव थाना हरनावदाशाहजी जिला बारा को गिरफ्तार कर पुलिस थाना हरनावदाशाहजी पर प्रकरण संख्या 88/2025 धारा 8/21,25 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया जाकर अनुसन्धान अजीतसिह उनि थानाधिकारी थाना छीपाबडीद के सिपुर्द किया गया है। मुल्जिम से अवैध मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त के सम्बन्ध मे अनुसन्धान किया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपी :-राधेश्याम पुत्र लक्ष्मीनारायण जाति मीना उम्र 50 साल निवासी भटगांव थाना हरनावदाशाहजी जिला बारा

जयपुर मे नागरिक सुरक्षा डिवीजन वार्डन एव स्वयंसेवको की मीटिंग का आयोजन

जयपुर (देश का दर्पण पत्रकार कान्तीभाई) दिनांक 18-05-2025, रविवार को सुबह 11 00 बजे जयपुर जिला कलेक्टर महोदय जितेन्द्र कुमार सोनी जी के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं प्रभारी नागरिक सुरक्षा जयपुर संतोष मीणा जी एवं उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा जयपुर अमित शर्मा जी के मार्गनिर्देशन में नागरिक सुरक्षा जयपुर के चीफ वार्डन राजेश कुमार मीना जी के नेतृत्व में सक्षम जयपुर अभियान के तहत डिवीजनल वार्डन रामगोपाल बड़गूजर के द्वारा कनक पैलेस मेरिज गार्डन,बजरी मंडी रोड, वैशाली नगर पश्चिम जयपुर में नागरिक सुरक्षा डिवीजन संख्या-8 के वार्डन एवं स्वयंसेवकों की मीटिंग रखी गई जिसमें उपनियंत्रक अमित शर्मा जी,चीफ वार्डन राजेश कुमार मीना जी ने सायरन,हवाई हमले और ब्लैकआउट के बारे में जानकारी दी साथ ही मास्टर ट्रेनर सावन कुमार सुखाड़िया,अनुदेशक असरार अहमद ,भीम मीणा द्वारा जन जागरूकता अभियान के तहत आपदा प्रबंधन की कार्यशाला का आयोजन भी किया गया

मीटिंग में रामस्वरूप मीणा,संजय तिवारी,अशोक वर्मा,जगदीश बागड़ा, धर्मपाल चौधरी,मंगल सिंह सैनी,रतन सिंह निर्वाण,राकेश गर्ग,राजेश माथुर, देवेंद्र शर्मा,निरंजन पोद्दार,भंवर जिंदोलिया,लक्ष्मी तिवारी,गोदावरी देवी,रेणूबाला,सुमन सिकरवार,रामकिशन रामपुरा,सुरेंद्र पारीक,रामबली सिंह भदोरिया,अयूब खान,रमेश योगी,देवीलाल कसोटिया,रतन चौधरी,श्रवण चौधरी, रेखा देवी,पुरुषोत्तम शर्मा,कैलाश शर्मा,मनफूल वर्मा,पूरणमल वर्मा सहित सभी वार्डन एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का शिल्पग्राम, जवाहर कला केंद्र का औचक निरीक्षण

अजय सिंह (चिंटू)
जयपुर–

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जवाहर कला केंद्र स्थित शिल्पग्राम का औचक दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ जवाहर कला केंद्र के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने शिल्पग्राम में विभिन्न संभागों की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाले पारंपरिक स्ट्रक्चर्स का निरीक्षण किया। उन्होंने संरचनाओं को और अधिक प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाने हेतु स्थानीय आर्किटेक्ट के सहयोग से कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को मौके पर ही दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, "शिल्पग्राम हमारी सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। यहां शेखावाटी, मेवाड़, मारवाड़, ढूंढाड़ और हाड़ौती जैसे प्रदेश के सभी प्रमुख संभागों की झलक देखने को मिलती है। सरकार इस तरह विरासत को संरक्षित रखने और आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण करने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिल्पग्राम को केवल एक प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि लोक संस्कृति और परंपरा के संरक्षण का केन्द्र बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इस निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिल्पग्राम की मरम्मत, सौंदर्यीकरण और आयोजन क्षमता को बढ़ाने के लिए जल्द ठोस कदम उठाए जाएं ताकि आने वाले समय में यह स्थान देश-विदेश के पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षण का केन्द्र बन सके।

तेजवीर गुर्जर को इनेलो का प्रधान महासचिव बनाए जाने पर जताया आभार,

कैथल (कृष्ण प्रजापति): इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) पार्टी के वरिष्ठ नेता और ढांड निवासी तेजवीर गुर्जर को पार्टी का प्रधान महासचिव नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण दायित्व को मिलने के बाद तेजवीर गुर्जर ने इनेलो सुप्रीमो चौधरी अभय सिंह चौटाला एवं प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया है। तेजवीर गुर्जर लंबे समय से इनेलो पार्टी से जुड़े हुए हैं और एक पूर्व छात्र नेता के रूप में युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ रही है। वे हल्का पुंडरी में पार्टी के सक्रिय और समर्पित कार्यकताओं में गिने जाते हैं। पार्टी द्वारा उन्हें जो नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, उससे कार्यकताओं में भी उत्साह का माहौल है।

अपने संदेश में तेजवीर गुर्जर ने कहा कि वे इनेलो सुप्रीमो चौधरी अभय सिंह चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा का दिल से आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने उन पर विश्वास जताकर यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे।

पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में भी इस नियुक्ति को लेकर खुशी की लहर है और वे इसे पुंडरी क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मान रहे हैं।

ताड़केश्वर नव युवक मंडल जयपुर

अनुरोध ताड़केश्वर नव युवक मंडल के अध्यक्ष श्री विक्रांत व्यास ने बताया कि नरसिंह लीला और बाराहा अवतार लीला के 225वें संस्करण की बड़ी सफलता पर.

आज श्री ताड़केश्वर नवयुवक मंडल के तत्वाधान में श्री ब्रिजनिधि जी का मंदिर चांदनी चौक में भव्य प्रसादी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. बी.डी. रावत एवं सचिव डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट)

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों व विशिष्ट अतिथियों का पुष्पहार व दुपट्टों से सम्मान किया गया।

बाबा श्री ताड़केश्वर नाथ महादेव की श्री चित्र भी भेंट किये गये।

तकरीबन 10000 भक्तों नेभोजन प्रसादी ग्रहण की।

इस अवसर पर बाबा श्री ताड़केश्वर नाथ व ठाकुरश्री ब्रिजनिधि जी का भव्य श्रृंगार किया गया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट) ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेना के पिता (अनुपम पारीक) एवं माता, विधायक रफीक खान, खान समूह के प्रबंध निदेशक नटवर शारदा, समाजसेवी गुंजन रावत, श्रीमती गिर्राज देवी, दक्षेश, दर्श, सोनल

देवी, सीए प्रियंका कट्टा, अनुज पटोदिया, एलएल गुप्ता, कृष्ण अवतार खंडेलवाल, अंकित एवं अमित होंगे। इसके अलावा कई अन्य प्रमुख समाजसेवी, अधिवक्ता, शीर्ष बोरोकेट, राजनीतिक नेता मौजूद रहेंगे।

सड़क से फिसलकर 20 फीट गहरी खाई में गिरी बस, 30 यात्री घायल

चेन्नई 18 मई (पी एम ए) तमिलनाडु के वलपराई के निकट रविवार को तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) की एक बस पलट कर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में बस सवार 30 लोग घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे वलपराई घाट सेक्शन के घुमावदार पहाड़ी रास्तों पर कावेर्स एस्टेट क्षेत्र के पास हुई। 72 यात्रियों को लेकर जा रही यह बस तिरुपुर से वलपराई जा रही थी, तभी पहाड़ी क्षेत्र में एक मोड़ पर चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी, यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में सभी यात्री बच गए, लेकिन कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जैसे कि कुछ लोगों को फ्रैक्चर, कट और चोट आई।

सुसराल में नशीले कढ़ी.चावल बनाए दुल्हन हुई फरार

देश का दर्पण.दैनिक अखबार संवाददाता.राकेश कोठेनियां हलैना

भुसावर (भरतपुर) की बरपाड़ा कॉलोनी में एक विवाहिता अपने परिवार को खाने में नशीली दवा मिलाकर अपने 6 वर्षीय बेटे को लेकर फरार हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह फरार हुई महिला प्रीति ने घर में कढ़ी और चावल बनाए। इसमें नशीला पदार्थ मिलाकर परिवार के सदस्यों को खिला दिया। खाना खाने के बाद पति राजू सैनी, देवर श्याम सुंदर, भरत, राजेश और सास सम्पों बेहोश हो गए। परिवार का एक सदस्य कमल सैनी बच गया क्योंकि उसे कढ़ी पसंद नहीं थी। कमल जब शाम को काम से लौटा तो देखा कि सभी लोग बेहोश पड़े हैं। उसने तुरंत सभी को भुसावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। वहां डॉक्टरों ने सभी का इलाज शुरू कर दिया। परिवार के अनुसार, राजू की शादी प्रीति से 8 साल पहले वैर के गांव कंचनपुर में हुई थी। प्रीति के इस कदम के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। थानाधिकारी नरेश चंद्र शर्मा ने मौके पर पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि घर से कोई सामान गायब है या नहीं।

सी.एस.टी. (क्राइम ब्रांच) आयुक्तालय जयपुर द्वारा वाहन चोरों के खिलाफ थाना जवाहर सर्किल जयपुर में कार्यवाही

देश का दर्पण न्यूज

पुलिस उपायुक्त (अपराध) श्री कुन्दन कंवरिया के मार्गदर्शन में जयपुर शहर में वाहन चोरी, नकबजनी एवं अन्य चोरी की बढती वारदातों को मध्यनजर रखते हुए क्राइम ब्रांच की सीएसटी को आसूचना संकलित कर वाहन चोरों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु श्री रिछपाल सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध के निकट सुपरविजन एव नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय जयपुर की टीम द्वारा वाहन चोरों के विरूद्ध आसूचना संकलन कर प्राप्त सूचनाओं पर थाना जवाहर सर्किल जयपुर (पूर्व) के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुये शातिर वाहन चोर पंकज बगतानी उर्फ पंकू एवं दीपांशु उर्फ मिर्ची को गिरप?तार कर आरोपितों के कब्जे से चोरी के 05 दुपहिया वाहनों को बरामद किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 'जवाहर कला केंद्र' में आयोजित 'रंगरीत कला महोत्सव' का अवलोकन किया

अजय सिंह (चिंटू)
जयपुर–

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को 'जवाहर कला केंद्र' में आयोजित 'रंगरीत कला महोत्सव' में लघु पारंपरिक चित्रकला शैली पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया और चित्रकारों की कला की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी भारतीय संस्कृति की विविधताओं को दर्शाने का अनूठा प्रयास है। इस अवसर पर दुर्गा सप्तशती, वेद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों पर आधारित चित्रों का अवलोकन करने का अवसर मिला, जो अत्यंत प्रेरणादायक है।

देश के विभिन्न कोनों से आए चित्रकारों की कला को अद्भुत बताते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रयास कलाकारों को नई प्रेरणाओं और प्रतिस्पधाओं के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कलाकारों को बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना की।

यह प्रदर्शनी स्वतंत्रता के बाद पहली बार इस प्रकार की है जिसमें पारंपरिक तरीकों से चित्र बनाकर प्रदर्शित किए गए हैं। कलाकारों ने परंपरागत तकनीकों का प्रयोग करते हुए गोल्ड लीफ, चौबीस कैरेट सोने का रंग (हिलकारी), खनिज, स्टोन, मिनरल्स, मेटालिक और केमिकल रंगों का उपयोग किया है। इस अवसर पर लाइव चित्रकला, कार्यशाला एवं संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें पुराने चित्रकला रूपों को जीवंत बनाए रखने के साथ ही नए कलाकारों को भी सीखने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ।

देशभक्ति से लबरेज आमजन ने निकाली शौर्य तिरंगा यात्रा

जयपुर/पाली, 18 मई। पाकिस्तान में आंतकियों के खिलाफ भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर रविवार सुबह शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली। इसमें बड़ी संख्या में भी आमजन शामिल हुए। सुबह करीब 10 बजे शहर के शिवाजी सर्किल से तिरंगा रैली रवाना हुई। इस यात्रा में पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत सहित कई भाजपा नेता और आमजन बड़ी संख्या में शामिल रहे। तपती धूप में भी हाथ में तिरंगा ध्वज लहराते हुए भारत माता के जयकारे लगाते हुए लोग पाली के शिवाजी सर्किल से रवाना हुए। तिरंगा रैली सूरजपोल चौराहा, अम्बेडकर चौराहा, गांधी मूर्ति होते हुए शहीद स्मारक पहुंचीं,

जहां शहीद स्मारक पर फूलमाला चढ़ाकर शहीदों को नमन किया।

यात्रा के दौरान डीजे पर मेरा रंग दे बसंती चोलाङ्क जैसे देशभक्ति गीतों के बीच युवा, महिलाएं और बच्चे भी हाथ में तिरंगा लहराते जोश से पूरे लबरेज नजर आए। रास्ते में जगह-जगह उन पर फूल बरसा कर शहरवासियों ने स्वागत किया। इस यात्रा में करीब 200 फीट लम्बा राष्ट्रीय ध्वज शहरवासी पूरे रास्ते हाथों में उठाते

हुए चल रहे थे।

जो शहरवासियों के आकर्षण का केंद्र रहा। इसके साथ ही स्केटिंग करते हुए चल रहे बच्चे भी आकर्षण का केंद्र रहे।

इस दौरान मंत्री मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा- पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों एवं आतंकवादियों को पोषित कर रही वहां की कुटिल सरकार के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सफलतापूर्वक संचालित ऑपरेशन सिंदूर को बखूबी अंजाम दिया। यही वजह है कि आज देश नरेंद्र मोदी जी के सुरक्षित हाथों में है। भारत में आकर कोई आतंकी घटना को अंजाम देगा उसे किसी भी सूरत पर बख्शा नहीं जाएगा। जरूरत पड़ी तो आतंकियों को फिर से उनके घर में घुसकर मारेंगे। ताकि दोबारा हमारे देश की ओर कोई आंख उठाकर नहीं देख सके।

दोनों मंत्रियों के साथ-साथ मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी, पूर्व सांसद पाली पुष्प जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, तिरंगा यात्रा संयोजक दिविजय सिंह सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागीय प्रकरणों की समीक्षा बैठक

जयपुर, 18 मई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता के समग्र कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य कर रही है। हम राज्य की चहुंमुखी प्रगति के लिए जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं। इनमें विधिक कारणों से किसी प्रकार की रूकावट ना आए इसके लिए राज्य सरकार द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों में प्रभावी रूप से पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर राहत मिले और सरकार पर उनका भरोसा और अधिक मजबूत हो इसके लिए सभी अधिकारीगण अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्ण निर्वहन करें। श्री शर्मा ने कहा कि विधिक कार्यों में राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

श्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन का हित ही हमारी प्रमुख प्राथमिकता है। इसलिए जनकल्याण से जुड़े प्रकरणों की न्यायालयों में प्राथमिकता से पैरवी की जाए। ऐसे महत्वपूर्ण प्रकरणों में राज्य सरकार की तरफ से प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता स्तर पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में उच्चस्थ अदालतों में अपील की आवश्यकता हो उनमें राज्य सरकार की ओर से समय पर अपील की जाए।

लंबित प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में विभाग की तरफ से नियुक्त अधिकारीगण प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। ये अधिकारी न्यायालय में पैरवी के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ निरंतर संपर्क में रहते हुए उन्हें आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध करवाएं जिससे इन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने विभागों के शासन सचिवों को निर्देश दिए कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारी स्वयं भी नियमित रूप से अधिवक्ताओं के साथ चर्चा कर प्रकरण से संबंधित विभिन्न पहलूओं से उन्हें अवगत कराएं।

पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर की जाए कार्यवाही

श्री शर्मा ने कहा कि न्यायालय में विचाराधीन ऐसे मामले जो एक से अधिक विभागों से संबंधित हैं उनके लिए संबंधित विभाग आपसी सहयोग एवं निरंतर समन्वय के साथ विधिक कार्यवाही करें। इसके लिए सक्षम स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो इन विभागों और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य को गति दें। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर पर भी समन्वय हेतु अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट केसेज की पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर कार्यवाही की जाए।

विभाग पेंडिंग केसेज को प्राथमिकता के आधार पर श्रेणीवार विभाजित करें और और अधिक महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में भी विभागीय अधिकारी संबंधित अधिवक्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से नियमित बैठक कर चर्चा करें और उन्हें पूरा सहयोग करें।

भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिक परीक्षण कर शीघ्र करें निस्तारण

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार का लक्ष्य है। इसलिए न्यायालय में लंबित भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिवत परीक्षण करवाकर उनका शीघ्र निस्तारण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर भी नियम बनाते समय विस्तृत विधिक परामर्श लिया जाए जिससे भर्ती प्रक्रिया निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि विकास योजनाओं से संबंधित भूमि के लंबित प्रकरणों में अदालत से हुए स्थगन आदेशों को प्रभावी पैरवी के साथ निरस्त करवाया जाए जिससे इन प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक श्री यू आर साहू, महाधिवक्ता श्री राजेन्द्र प्रसाद, विभिन्न अतिरिक्त महाधिवक्तागण एवं संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

सरकारी जमीन को लेकर दो पक्षों में हुआ झगड़ा छह घायल

देश का दर्पण.दैनिक अखबार संवाददाता. राकेश कोठेनियां हलैना

भरतपुर। शहर के मथुरा गेट थाना इलाके में सरकारी जमीन पर कबाड़ी की दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों ने एक दूसरे पर कांच की बोतलें और पत्थर फेंके। झगड़े में दोनों पक्षों के करीब 6 लोग घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए आरबीएम अस्पताल भिजवा दिया गया है। मथुरा गेट थाने के एएसआई रति राम ने बताया कि मछली मोहल्ला में दो पक्षों में झगड़ा हुआ है। यासिर और साबिर दो पक्ष हैं। दोनों पक्षों में सरकारी जमीन पर कबाड़ी की दुकान रखने को लेकर विवाद हुआ था। झगड़े की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। फिलहाल मौके पर शांति है। दोनों पक्षों से करीब 6 लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्षों से शिकायत देने के लिए कहा गया है। हालांकि, अभी तक दोनों पक्षों की ओर से पुलिस थाने में कोई शिकायत नहीं दी गई है। दोनों पक्षों में करीब 20 मिनट तक पथराव हुआ। मछली मोहल्ला की सड़कों पर कांच की बोतल के टुकड़े और पत्थरों के टुकड़े पड़े हुए हैं। दोनों पक्ष एक दूसरे पर सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा रहे हैं।

चोरी के आतंक से लोग परेशान चोर को पकड़ पुलिस को सौंपा।

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार।

बलिगांव थाना क्षेत्र के चिकनौटा चौक में इलेक्ट्रिक के दुकान में चोरी कर रहे चोर को दुकानदारों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जेल। विगत कुछ माह से थाना क्षेत्र में चोर के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। विगत तीन माह में आधा दर्जन घर, दुकान और मवेशी के बथान में दस लाख रुपए से अधिक की हो चुकी है चोरी।

मिली जानकारी अनुसार बलिगांव थाना क्षेत्र के चिकनौटा चौक पर शनिवार को इलेक्ट्रिक दुकान में चोरी कर रहे दो चोरको दुकानदारों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दी। चोर की पहचान समस्तीपुर जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र मो कयूम और मो. राजा के रूप में किया गया है। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। ज्ञात हो कि थाना क्षेत्र में चोर के आतंक से लोगों का भय बढ़ गया है। विगत तीन माह में थाना क्षेत्र के आधा दर्जन घरों में, दुकान एवं किसान के बथान से मवेशी की चोरी कर ली गई है। जिसको लेकर बलिगांव पुलिस न ही चोर को गिरफ्तार किया है न ही चोरी के मामले में चोरी के सामान को बरामद किया है।

24 मई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा - जिला एवं सत्र न्यायाधीश

अमृतसर 18 मई : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, चंद्र मोहन, साहिल रहेजा)

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सदस्य सचिव, पंजाब राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, एसएएस के दिशा-निदेर्शों के अनुसार। नागरिकों से प्राप्त आदेशों के अनुसार, श्री अमरिंदर सिंह ग्रेवाल, जिला और सत्र न्यायाधीश कम अध्यक्ष, जिला कानूनी सेवाएं प्राधिकरण, अमृतसर ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत 10.05.2025 को आयोजित की जानी थी, लेकिन नालसा के निदेर्शों के अनुसार, भारतीय सीमा पर तनाव जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, जिसके कारण 10.05.2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित कर दी गई थी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अमरिंदर सिंह ग्रेवाल ने बताया कि अब राष्ट्रीय कानूनी सेवाएं अथॉरिटी के निदेर्शानुसार तथा पंजाब राज्य कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, एसएएस नगर के दिशा-निदेर्शों के तहत न्यायिक एवं प्री-लिटिगेशन स्तर पर आए राजीनामा के मामलों को आपसी सहमति से निपटाने के लिए जिले में 24.05.2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में पेंशन मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, राजस्व मामले, बीएसएनएल मामले, बीमा कंपनी से संबंधित मामले, वित्तीय वित्त मामले, बैंक ऋण से संबंधित मामले, जल बिल, आपराधिक समझौता योग्य मामले, चेक बाउंस से संबंधित मामले, ट्रिब्यूनल से संबंधित मोटर दुर्घटना दावा मामले, वैवाहिक विवाद, यातायात चालान, श्रम विवाद मामले, बिजली मामले और अन्य राजीनामा योग्य मामलों सहित सेवाओं से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय लोक अदालत में केस दायर करने में कोई परेशानी आती है तो जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी अमृतसर के दफ्तर और दफ्तर नंबर 0183-2220205 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री मदन राठौड़ जी को prime poi»»ft fou»»fdÔtio»»f के द्वारा मिला संसद रत्न पुरस्कार 2025 - राज्यसभा की ओवरऑल कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित

भारतीय लोकतंत्र में प्रभावशाली और सक्रिय जनप्रतिनिधित्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले संसद रत्न पुरस्कार 2025 की घोषणा कर दी गई है। इस प्रतिष्ठित सम्मान से इस वर्ष राज्यसभा के वरिष्ठ सांसद श्री मदन राठौड़ जी को "ओवरऑल कैटेगरी" में सम्मानित किया जाएगा।

यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की ओर से प्रस्तुत किया जाता है और इसका उद्देश्य भारतीय संसद के उत्कृष्ट योगदान को सार्वजनिक मंच पर मान्यता देना है। संसद रत्न पुरस्कारों का यह 15वाँ संस्करण है, जिसमें देश भर के 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा।

श्री मदन राठौड़ जी का चयन एक प्रतिष्ठित जूरी समिति द्वारा किया गया है, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (ठउइउ) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री हंसराज जी अहिर कर रहे हैं। यह चयन पूर्णतः 18वीं लोकसभा की पहली बैठक से लेकर बजट सत्र 2025 (भाग-द्वितीय) तक के संसदीय प्रदर्शन पर आधारित है, जिसे पारदर्शी और तथ्य-आधारित प्रक्रिया के तहत किया गया है।

श्री मदन राठौड़ जी ने राज्यसभा में जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से उठाने, नीतिगत चचाओं में भागीदारी, विधायी कार्यों में सक्रिय भूमिका और प्रश्न पूछने की निरंतरता के माध्यम से एक आदर्श सांसद की भूमिका निभाई है। उनका यह सम्मान संसद में उनकी प्रतिबद्धता, विवेक और रचनात्मक योगदान का प्रतीक है।

यह पुरस्कार समारोह जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर के प्रमुख सांसद, नीति निमार्ता, सामाजिक प्रतिनिधि और मीडिया संस्थान शामिल होंगे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारम्भ

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर(धर्मेन्द्र बिधौलिया) 18 मई।

स्थानीय नाना साहब का बाड़ा स्थित कायस्थपाड़ा स्कूल में सात दिवसीय भागवत कथा के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व बालिकाओं ने पीत वस्त्र धारण कर अपने सिर पर कलश सजाकर नाचते-गाते हुए कालीमाई के मंदिर से यात्रा प्रारम्भ की,जो गड़रपुरा रोड, पुराना डाकखाना, लाल बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, नृसिंह रोड, बजरिया रोड होते हुए कथा स्थल कायस्थ पाड़ा स्कूल पहुंची। इस दौरान जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान हो उठा और कलश यात्रा एवं भागवत कथा प्रवक्ता आचार्य योगेश तिवारी का जगह-जगह स्वागत किया गया। मार्ग में कई स्थानों पर लोगों ने कलश यात्रा का जलपान करा कर स्वागत किया। श्रद्धालु हरि कीर्तन करते हुए कलश यात्रा के पीछे-पीछे चल रहे थे। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष शामिल रहे। गर्मी को देखते हुए श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक समस्त भक्त मंडल बजरिया और श्रीकृष्ण गौ सेवा समिति ने कलश यात्रा के मार्ग में पानी का छिड़काव कराया तथा पूरे रास्ते भर कूलरों का प्रबंध किया गया।

कलश यात्रा के बाद प्रथम दिन कथा प्रवक्ता आचार्य योगेश तिवारी ने भागवत कथा का महत्व समझाते हुए कहा कि भागवत कथा जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दशार्ती है, इसलिए जहां भी भागवत कथा होती है वहां का संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से खत्म होकर सकारात्मक ऊर्जा से सशक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब इसे हम अपने जीवन और व्यवहार में धारण करें। श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से जन्म जन्मांतर के विकार नष्ट होकर प्राणी मात्र का लौकिक व आध्यात्मिक विकास होता है। इसको सुनने एवं आयोजन कराने का सौभाग्य भी प्रभु प्रेमियां को ही मिलता है। ऐसे में अगर कोई दूसरा भी इसे गलती से श्रवण कर लेता है, तो वो भी कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। अगर कोई सात तक किसी व्यवस्तता के कारण नहीं सुन सकता है, तो वह दो तीन या चार दिन ही इसे सुनने के लिए अपना समय अवश्य निकालें।

प्रज्ञा सागर भन्ते ने दिया बुद्ध धम का संदेश व खटीक समाज अम्बेडकर लाइब्रेरी के लड़के-लड़कियों को भेट की डॉ.भीमराव अंबेडकर की पुस्तकें

सुरज वर्मा

शाहपुरा में पहली बार बुद्ध धम्म अनुयायी प्रज्ञा सागर भन्ते ने शाहपुरा में खटीक समाज अम्बेडकर लाइब्रेरी के लड़के-लड़कियों को और अम्बेडकर विचार मंच संस्थान के लोगो को डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की पुस्तकें भेट की व भगवान गौतम बुद्ध के जीवनी पर जानकारी दी हैं जिसमे प्रज्ञा सागर भन्ते ने बताया कि गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में लुम्बिनी वर्तमान नेपाल में हुआ था उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और वे शाक्य वंश के राजकुमार थे।वैभवशाली जीवन के बावजूद उन्होंने संसार के दु:खो को देखकर 29 वर्ष की आयु में घर त्याग दिया और सत्य की खोज में निकल पड़े।वर्षो की तपस्या और ध्यान के बाद बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे "बुद्ध"कहलाए।उन्होंने जीवन मे मध्यम मार्ग , करुणा, अहिंसा और आत्मसंयम का संदेश दिया।उनके प्रमुख उपदेश चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग है जो दु:ख से मुक्ति की राह बताते है 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण हुआ।उनका जीवन आज भी शान्ति, ज्ञान और करुणा का प्रतीक है।

गौतम बुद्ध सनातरा परम्परा से उत्पन्न हुए और यधपि उन्होंने कुछ सिद्धान्तों से भिन्न मार्ग अपनाया फिर भी उनका दर्शन भारतीय आध्यात्मिक धारा का ही एक महत्वपूर्ण अंग है।प्रज्ञा सागर भन्ते ने बौद्ध धम्म के मार्ग पर चलकर प्राणी मात्र का कल्याण निश्चित है का संदेश दिया।आज के इस कार्यक्रम में प्रज्ञा सागर भन्ते का भोजन अम्बेडकर विचार मंच के जिलाध्यक्ष सुरेश चन्द्र घुसर की तरफ से कराया गया था।आज के आयोजन में अम्बेडकर विचार मंच संस्थान के जिलाध्यक्ष सुरेश चन्द्र घुसर, राजेन्द्र खटीक,खटीक समाज के अध्यक्ष नवीन चावला,नेमीचंद सोलंकी,शंकर लाल चावला, गजराज सोलंकी,नरेश सोलंकी,राहुल सोलंकी,अनिल घुसर, रमन बैरवा,घनश्याम घुसर, पुष्पेन्द्र घुसर, विजेंद्र घुसर, फुलचंद घुसर, गोपाल घुसर, संजय घुसर, शान्ति प्रकाश घुसर, दिनेश घुसर, रितु कुमारी, आरती कुमारी आदि उपस्थित रहे।

आयोजित जन प्रतिनिधि एवं सम्मान समारोह के आयोजन समिति की मीटिंग सम्पन्न।

सुरज वर्मा

अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वाधान में बिड़ला ऑडिटोरियम में दिनांक 21 मई 2025 को आयोजित जन प्रतिनिधि एवं सम्मान समारोह जो *माननीय भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार के मुख्य आतिथ्य एवं योगेंद्र चंदोलिया जी सांसद दिल्ली,राम सहाय वर्मा विधायक की गरिमा मय उपस्थिति में श्रीमान बीएल नवल साहब की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजन समिति के सभी सदस्यों की मीटिंग दिनांक 18 मई 2025 रविवार को प्रात: 11 बजे श्रीमान बीएल नवल राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय रैगर महासभा की अध्यक्षता में निवारू रोड झोटवाड़ा में आयोजित की गई जिसमें समारोह की अब तक की प्रगति एवं आगे की कार्ययोजना के संबंध में अंतिम रूप दिया गया।

आयोजन समिति के सदस्य आयोजन समिति की मीटिंग में रामअवतार कुलदीप संयोजक डॉक्टर सत्यनारायण धौलपुरिया सह संयोजक आयोजन समिति,रामकिशोर रैगर राष्ट्रीय महासचिव,मनोहरलाल बाकोलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र जलुथरिया राष्ट्रीय महासचिव, बद्रीनारायण झिनोनिया राष्ट्रीय महासचिव, शंकर लाल नारोलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र बाकोलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मनोज उदेनिया राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष, डॉ रविन्द्र नारोलिया राष्ट्रीय सचिव,मोहनलाल जलुथरिया राष्ट्रीय प्रचार सचिव, गोवर्धन देवत राष्ट्रीय सचिव, मुकेश गाडेगावलिया राष्ट्रीय प्रवक्ता,हरिनारायण मौर्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य,बाबूलाल दाँतोनिया राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य,भानु खोरवाल प्रदेशाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, तारा बेनीवाल प्रदेशाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ,एड. अशोक वर्मा प्रदेशाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, सहित प्रमुख लोग उपस्थित थे।

पृथ्वीराज नगर में पानी के कनेक्शन में भारी भ्रष्टाचार, जनता त्रस्त

जयपुर: पृथ्वीराज नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 45 से 55 के निवासी बीसलपुर पानी के कनेक्शन में हो रहे भारी भ्रष्टाचार से परेशान हैं। पहले कनेक्शन की शुरूआती दर ?4100 थी, लेकिन अब यह दर बढ़कर ?11000 से ?20000 तक पहुँच गई है, जिससे निवासियों में भारी आक्रोश है जो खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

पृथ्वीराज नगर संघर्ष समिति के अनुसार, क्षेत्र के निवासियों ने जेडीए पट्टा लेते समय पानी और अन्य सुविधाओं के लिए पूरा पैसा जमा कर दिया था। इसके बावजूद, अब उनसे पानी के कनेक्शन के लिए कई गुना अधिक राशि की मांग की जा रही है। वार्ड 46 और 47 में तो स्थिति और भी विसंगतिपूर्ण है, जहाँ कुछ निवासियों से पुरानी दर ?4100 वसूली गई, जबकि उनके पड़ोसियों को ?20000 तक देने के लिए कहा जा रहा है। निवासियों का मानना है कि यह भारी वृद्धि "मिलीभगत के चलते" और उनकी पानी की आवश्यकता का शोषण करके की गई है।

जयपुर के दक्षिण-पश्चिमी बाहरी इलाके में स्थित पृथ्वीराज नगर, एक बड़ा और तेजी से विकसित हो रहा आवासीय क्षेत्र है जो ऐतिहासिक रूप से पानी की पुरानी समस्या से जूझ रहा है। बीसलपुर-जयपुर पेयजल परियोजना इस समस्या के समाधान के तौर पर शुरू की गई थी, लेकिन कनेक्शन शुल्क में इस अप्रत्याशित वृद्धि ने निवासियों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

संघर्ष समिति ने इस मुद्दे को लेकर राज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह, सांसद दीया कुमारी, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री राजस्थान, और स्थानीय सांसद राव राजेंद्र सिंह जैसे प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से मुलाकात की, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। निराशा में, निवासियों ने व्यापक जन जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने क्षेत्र में पंपलेट भी वितरित किए हैं।

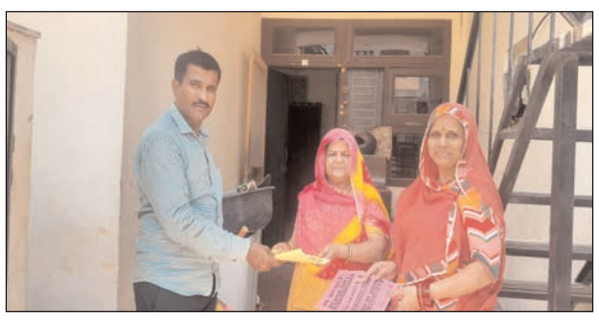

यह उल्लेखनीय है कि पृथ्वीराज नगर जन अधिकार संघर्ष समिति ने 2018 में भी चल रहे जल संकट के कारण अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन की तैयारी की थी और जेडीए द्वारा इन कॉलोनियों से नियमितीकरण शुल्क के रूप में ?830 करोड़ से अधिक एकत्र किए जाने का उल्लेख किया था। यह ऐतिहासिक संदर्भ दशार्ता है कि निवासी लंबे समय से पानी की आपूर्ति और बुनियादी ढांचे के शुल्क से संबंधित कथित अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं।

निवासियों के "मिलीभगत" के आरोपों को लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) द्वारा जयपुर में अवैध जल कनेक्शनों पर कार्रवाई और बड़ी संख्या में बूस्टर पंपों की जब्ती से भी बल मिलता है। जल शक्ति मंत्रालय ने भी राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की शिकायतें प्राप्त होने की सूचना दी है, और एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राज्य में जल आपूर्ति परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं की जांच चल रही है। इन जांचों में एक पूर्व राज्य मंत्री और पीएचईडी अधिकारियों सहित निजी ठेकेदार शामिल हैं।

जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, जो भूमि आवंटन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए जिम्मेदार नोडल एजेंसी है। अतीत में जेडीए और पीएचईडी के बीच बीसलपुर जल आपूर्ति बुनियादी ढांचे के विकास के लिए धन के आवंटन को लेकर असहमति और देरी हुई है, जिसने संभावित रूप से वर्तमान समस्याओं में योगदान दिया होगा। यह स्पष्ट नहीं है कि इस क्षेत्र में पानी के कनेक्शन शुल्क निर्धारित करने और विनियमित करने के लिए अंततः कौन सा निकाय जवाबदेह है।

राजस्थान जल आपूर्ति नियमों की समीक्षा से पता चलता है कि प्रारंभिक कनेक्शन शुल्क बहुत कम निर्धारित किए गए थे, जो वर्तमान में लगाए जा रहे भारी शुल्क के साथ एक स्पष्ट विसंगति को दशार्ता है। यह स्थापित नियमों के संभावित उल्लंघन का सुझाव देता है। इस संकट का पृथ्वीराज नगर के निवासियों पर गंभीर सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है।

आरोग्य भारती का प्रांतीय कार्यकर्त्ता अभ्यास वर्ग हुआ सम्पन्न

देश का दर्पण न्यूज,जयपुर(धर्मेंद्र बिधौलिया)18 मई।

सेवा सदन में आरोग्य भारती जयपुर प्रान्त का अभ्यास वर्ग रविवार को आयोजित किया गया।

जिसमें आरोग्य भारती के अखिल भारतीय सह संगठन सचिव डॉ. मुरली कृष्ण ने आरोग्य भारती की कार्य योजना के बारे मे विस्तार से जानकारी दी।

किस प्रकार से आदर्श इकाई होनी चाहिए ,कार्य और कार्यक्रम को समझना होगा । उन्होंने कहा कि आरोग्य मित्र बनाना एवं मातृ शक्ति को भी साथ लेकर चलना होगा,तभी प्रत्येक गाँव के अंतिम व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ मिल पायेगा।

इस मौके पर आरोग्य भारती के राजस्थान क्षेत्र व उत्तर भारत के संजीवन ने अपने बौद्धिक में कहा कि स्वस्थ व्यक्ति वह होता है जिसका मन, आत्मा व इन्द्रिया प्रसन्न रहे।

अतः हमें सादगी पूर्ण जीवन शैली अपनानी होंगी,प्रकृति की और लौटना होगा।

प्रान्त के अध्यक्ष वैद्य केदारनाथ ने आरोग्य भारती के कार्य को विभिन्न आयामों द्वारा जन -जन तक पहुंचाने की बात कही।

डॉ. शारदा टाक ने सुपोषण के बारे मे जानकारी दी।

डॉ.वृंदा राव ने सुप्रजा गर्भ संस्कार के बारे मे बताया।

डॉ. श्री राम तिवाडी ने आरोग्य भारती की संकल्पना बताई।

डॉ.महेन्द्र उपाध्याय ने विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे मे बताया।

डॉ. दिनेश उपाध्याय ने योग के विषय पर प्रकाश डाला।

डॉ.तारकेश्वर शर्मा ने वृत्त कैसे लेते हैं इसके बारे मे बताया।

डॉ. लक्ष्मण सैनी ने मंचासीन अथितियों का परिचय कराया।

डॉ. देशदीपक ने आरोग्य मित्र को नगर स्तर तक तैयार करने की बात कही।

इस मौके पर शहर प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ.आशा बिधौलिया भी उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के अंत मे डॉ. महेन्द्र उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच का संचालन डॉ. श्वेता चौरसिया ने किया।

कार्यक्रम में 88 कार्यकताओं ने भाग लिया।

नारी तू नारायणी ऑपरेशन सिंदूर विजय भव:

मुस्लिम संस्था वर्क ने मनाया गौरव पल।।

जयपुर:वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ रिलीजन एंड नॉलेज जयपुर की महिला शाखा द्वारा नारी तू नारायणी ऑपरेशन सिंदूर विजय भवः के नाम से एक प्रेस वार्ता का आयोजन ध्रुव मार्ग तिलक नगर में किया गया।जिसमें वर्क की महिला - पुरुष के साथ साथ अन्य क्षेत्र में विभिन्न ओहदों पर कार्यरत महिलाओं ने भाग लिया। वर्क महिला हेड आलिया रहमान ने बताया कि हमारे देश की वीरांगनाओं एवं सेना द्वारा साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को उसी की धरती में घुस कर सबक सिखाने का जो औजपूर्ण कार्य किया गया है वो हमारे लिए गौरव का क्षण है।और हमको इस गौरव का एहसास होना चाहिए।वर्क एक्जीक्यूटिव लुबना फिरदौस ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर एक महत्वपूर्ण सैन्य अभियान था जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करना और आतंकवादी गतिविधियों को रोकना था। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सेना ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए,जिसमें आतंकवादियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक शामिल थे।वर्क प्रवक्ता सैयद असगर अली ने बताया कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान

के भीतर आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें बहावलपुर, मुरिदके, गुलपुर, भिंबर, चक अमरू, बाग, कोटली, सियालकोट और मुजफ़्फराबाद शामिल थे।अली के अनुसार ये अभूतपूर्व युद्ध था जिसमें वायु रक्षा प्रणाली की परीक्षा थी ये बंदूकों,हथगोलों से नहीं अपितु ड्रोन एवं मिसाइल से लड़ा गया।भारतीय वायुसेना ने नूर खान और रहीमयार खान हवाई अड्डों पर हमले किए, जिससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को नुकसान पहुंचा।

भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने सभी पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों को नाकाम किया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।वर्क हेड लाइक हसन ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद, भारतीय सेना ने अपनी ताकत और रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे पाकिस्तान को युद्ध विराम के लिए मजबूर होना पड़ा।कार्यक्रम में डॉक्टर तसनीम, जियाउर्रहमान,डॉक्टर मलिका,रुबीना तबस्सुम, जॉन्टी भाई,यूसुफ खान, शाहिद खान, राशिद खान, इरशान अहमद,नाजनीना, शरफुद्दीन,गुलफाम साहब इत्यादि ने भाग लिया।।

शर्मनाक क्या कहेँगे हुकमरान, एक ऊंट पानी कि तलाश मे मर गया

ये असंवेदनशीलता कि पराकाष्ठा हे. जैसलमेर के सांवता गांव मे एक ऊंटनी का बच्चा पानी कि तलाश मे टांके तक पहुंचता हे, जलदाय विभाग कि मेहरबानी से टांका खाली हे इस नन्ही जान से खाली टांके मे पानी कि आस से मुँह दाल दिया और जान गंवा बैठा. ये प्रशासन के लिए शर्मनाक वाक्या हे.. करोड़ो रुपए पेयजल व्यवस्था पर आने के बाद आप एक पशु को पानी नहीं पिला सकते. जलदाय विभाग मौत का कारण बना

सास-दामाद के बाद अब ससुर के साथ भागी बहू

इटावा। अलीगढ़ में सास दामाद के भागने की खबर काफी सुर्खियों में आई, लेकिन अब गजब का मामला सामने आया है. दरअसल, इटावा में ससुर के साथ बहू भाग गई है. महिला तीन बच्चों की मां है. उसकी दो बेटियां और एक बेटा है. वो घर से लाखों की कीमत के जेवर और दो बेटियों को भी अपने साथ ले गई है. यह पूरा मामला इटावा जिले के एक गांव का है. महिला का पति युवक कार चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था. उसने बताया कि वह कार लेकर कानपुर गया था लौट कर जब घर आया तो पत्नी और दो बेटियां गायब थीं.

जानकारी पर युवक को पता चला कि उसके पारिवारिक चाचा ही उसकी पत्नी को कहीं लेकर चले गए. पीड़ित युवक ने बताया उसके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा है. पत्नी बेटे को घर छोड़ गई है और दोनों बेटियों के अलावा ज्वेलरी ली गई है. महिला का पति कार चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था उसने बताया कि वह 3 अप्रैल को कार लेकर कानपुर गया लौट कर आया तो पत्नी और दो बेटियां गायब थी पीड़ित पति 1 महीने से पत्नी की तलाश के लिए थाने से लेकर अधिकारियों के ऑफिस में गुहार लगा रहा है.

डेढ़ महीने बीतने के बाद भी स्कूलों को किताबें नहीं मिलीं, पढ़ाई प्रभावित

गाजियाबादः परिषदीय स्कूलों में सेशन शुरू हुए डेढ़ महीने से अधिक का समय गुजर चुका है, लेकिन अभी तक स्कूलों में सभी किताबें नहीं पहुंची हैं। पहली, दूसरी कक्षा की एक-एक किताब तो तीसरी कक्षा की केवल दो किताबें आई हैं। यह भी अभी सभी स्कूलों में नहीं पहुंच सकी हैं।

इस संबंध में नगर क्षेत्र प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अमित गोस्वामी ने बताया कि पुस्तकें धीरे-धीरे आ रही हैं। पहली, दूसरी की हिंदी की किताब आई और तीसरी की संस्कृत व अंग्रेजी की पुस्तक आई हैं। यह भी अभी सभी स्कूलों में नहीं पहुंची हैं। चौथी, पांचवीं की सभी पुस्तकें आ चुकी हैं। जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दीपक शर्मा का कहना है कि किताबें धीमी गति से आ रही हैं। अब सोमवार से स्कूल बंद हो जाएंगे, उम्मीद है एक जुलाई तक सभी किताबें स्कूलों में पहुंच जाएंगी।

इस संबंध में जिला समन्वयक (दिव्यांग) डॉ. राकेश कुमार का कहना है कि पहली से तीसरी तक कुल 26 टाइटल हैं। 10 टाइटल की किताबें आ चुकी हैं। दो, तीन दिन में सब बंट जाएंगी। नगर क्षेत्र में तो अधिकतर जगह बंट चुकी हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में भेजी जा रही हैं। बीएसए ओपी यादव का कहना है कि जैसे-जैसे किताबें आ रही हैं, स्कूलों में वितरित की जा रही हैं। काम तेजी से चल रहा है।

इस साल तीसरी में भी पढ़ाई जाएंगी एनसीईआरटी की पुस्तकः हर साल एक-एक कक्षा बढ़ाकर एनसीईआरटी की पुस्तकें स्कूलों में लगाई जा रही हैं। पहले पहली और दूसरी में एनसीईआरटी की पुस्तक लगाई गई। इस बार इसे तीसरी कक्षा में भी लगाया गया है। अगली साल चौथी और फिर पांचवीं में लगाया जाएगा। इस संदर्भ में जिला समन्यवक (दिव्यांग) डॉ. राकेश कुमार का कहना है कि इस बार तीसरी कक्षा में सभी एनसीईआरटी की पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी।

शिक्षकों को आ रहीं मुश्किलेंः प्राथमिक विद्यालय नासिरपुर की शिक्षिका संगीता ने बताया कि एनसीईआरटी की पुस्तकें बच्चों के लिहाज से बहुत कठिन हैं। इसमें सीधे वर्ण नहीं वाक्य आ गए हैं। इससे बच्चों को सिखाने में बहुत दिक्कत आ रही है। नियमानुसार बच्चा आंगनबाड़ी केंद्र से पढ़कर तब प्राइमरी में आए तो उसे वर्णमाला आएगी, लेकिन यहां बच्चे सीधे पहली, दूसरी में आते हैं। ऐसे में पहले उन्हें पूरी वर्णमाला सिखाओ, फिर एनसीईआरटी पढ़ाओ। हर प्राइमरी विद्यालय में आसपास के आंगनबाड़ी केंद्र का नंबर होना चाहिए। जिससे छह साल से कम बच्चों को वहां भेजा जा सके।

प्रेमी जोड़े ने की आत्महत्या, पेड़ से लटके मिले शव

सोनभद्र : पिपरी थाना क्षेत्र के पाटी गांव के पहाड़ टोला में आज एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां एक प्रेमी युगल ने पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली.जंगल में मवेशी चरा रहे चरवाहों ने जब दोनों के शव को पेड़ से लटकते देखा तो इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पेड़ से नीचे उतारा.मृतकों की पहचान राजकुमार (22 वर्ष) पुत्र सियाराम, निवासी ग्राम पाटी पहाड़ टोला और सुभागी कुमारी (19 वर्ष) पुत्री अमृतलाल, निवासी ग्राम पाटी पहाड़ टोला के रूप में हुई है.

बताया जा रहा है कि चरवाहे जंगल में अपने जानवरों को चरा रहे थे, तभी उनकी नजर एक पेड़ पर लटकते हुए दो शवों पर पड़ी। यह देखकर वे घबरा गए और तुरंत गांव में इसकी सूचना दी। खबर फैलते ही मृतकों के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था.

मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनों शवों का पंचनामा किया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुट गई है.

इस संबंध में जानकारी देते हुए एडिशनल एसपी कालू सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि राजकुमार और मनीषा (सुभागी कुमारी का दूसरा नाम) आपस में प्रेम करते थे.उन्होंने बताया कि लगभग एक माह पूर्व गांव की पंचायत में भी इस जोड़े को लेकर चर्चा हुई थी, जहां दोनों ने अलग-अलग रहने की बात स्वीकार की थी.

एडिशनल एसपी ने आगे बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मौके पर कानून और शांति व्यवस्था बनी हुई है.

इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है.एक साथ दो युवाओं की मौत से हर कोई स्तब्ध है.

किशोरी से दुष्कर्म, दो पर FIR

मुरादाबाद : छजलैट थाना क्षेत्र में किशोरी से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। एक युवक को पकड़ लिया, लेकिन दूसरे युवक ने मारपीट करते हुए पकड़े हुए युवक को छुड़ाकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी दोनों युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना छजलैट क्षेत्र के एक गांव निवासी एक ग्रामीण की नाबालिग बेटी 10 मई की रात लगभग 10 बजे घर पर अकेली थी। पिता खेत पर थे तो मां बराबर में गई हुई थी। किशोरी को अकेला देख पड़ोसी दो युवक पहुंच गए। दोनों युवक किशोरी को जबरन कमरे में ले गए और बारी-बारी से दुष्कर्म किया।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सांगानेर में निकली तिरंगा यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बढ़ा रहे हैं मां भारती का गौरव

हमारी सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया

जयपुर, 18 मई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देशभर में हमारे वीर सपूत सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रेल को पहलगाम में आतंकियों ने जो कायराना हरकत की उसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि इसका बदला लिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर आतंकवादियों को मार गिराया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया इसलिए हमारी सेना के सम्मान में पूरे देश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में जो परिवर्तन आया है, वो सभी ने देखा है। सबसे पहले हमारा देश है, इसका स्वाभिमान और सम्मान सबसे सर्वोच्च है, इसलिए हम भारत माता की पूजा करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी मां भारती का गौरव बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सेना व वीर सैनिकों के सम्मान में गांव-गांव, ढ़ाणी-ढ़ाणी और घर-घर से तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि सभी लोग तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हों।

मुख्यमंत्री ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूत सैनिकों को सांगा बाबा सर्किल पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा सांगा बाबा सर्किल से रवाना होकर सांगानेर मेन मार्केट से होते हुए मालपुरा गेट पर जाकर सम्पन्न हुई।

इस दौरान देशभक्ति गीतों के साथ हाथों में तिरंगा थामे सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के हर उम्र के लोगों ने पूरे जोश और जुनून के साथ तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। सांगानेर मेन मार्केट में विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्रा पर पुष्प वर्षा की गई।

इस दौरान कर्नल प्रताप सिंह राठौड़, कमांडर प्रवीण गोस्वामी, महापौर सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित गोयल, तिरंगा यात्रा संयोजक भूपेन्द्र सैनी, सह संयोजक रघुनाथ नरेड़ी, सुरेश मिश्रा, बिरधीचंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

यू पी पी सिलेक्टेड शिक्षामित्र की बेटी को संगठन ने किया सम्मानित

तारुन। शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय तारडीह में तैनात शिक्षामित्र श्रीमती मिथिलेश निषाद की बेटी श्रोती निषाद ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी परीक्षा के चयनोंपरांत शिक्षामित्र संघ ने उनके आवास पर पहुंचकर सम्मानित किया।संगठन के जिलाध्यक्ष दुर्गेश मिश्र के नेतृत्व में तारुन ब्लॉक अध्यक्ष राम शंकर, बीकापुर ब्लॉक अध्यक्ष रनजीत तिवारी, मंत्री शेषनाथ वर्मा, सहित जिला पंचायत सदस्य हरीश निषाद ने उपस्थित दर्जनों साथियों के साथ बिटिया को माल्यार्पण एवं मिष्ठान वितरण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष श्री मिश्र ने कहा कि अत्यंत विकट परिस्थितियों में शिक्षामित्र परिवार जूझ रहा है। योग्यताओं के बावजूद भी वह आर्थिक तंगी के दौर से गुजर कर उनके बच्चे कड़ा परिश्रम कर विभिन्न क्षेत्रों में यूपीएससी से लेकर यू पी पी तक चयन होकर अपनी योग्यता का डंका बज रहे हैं। चयनित बिटिया श्रोती निषाद भी एम ए, बी एड कर उच्च शिक्षित है।

बरेली में पालतू कुत्ते पालना पड़ेगा भारी, रजिस्ट्रेशन शुल्क में बड़ा इजाफा

बरेलीः नगर निगम क्षेत्र में कुत्ते पालने के शौकीन लोगों पर आर्थिक भार बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। नगर निगम ने छोटे कुत्तों के पंजीकरण शुल्क 10 रुपये बढ़ाकर 500 रुपये करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। वहीं, बड़े कुत्तों के लिए भी पंजीकरण शुल्क की दरें नए सिरे से लागू की जाएंगी।

जानकारों के अनुसार, नगर निगम में अभी तक 54-55 कुत्तों का ही पंजीकरण होना बताया जा रहा है, जबकि अनुमानित तौर पर पूरे शहर में पालतू कुत्तों की संख्या 10 हजार से भी ज्यादा बताई जा रही है। हालांकि, लोग पंजीकरण कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। इसकी वजह से वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आ पाता है। अभी तक छोटे और बड़े कुत्तों का पंजीकरण कराने के लिए शुल्क 10 रुपये ही है। मगर, आने वाले दिनों में इसमें बढ़ोत्तरी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब छोटे और बड़े कुत्तों के लिए अलग-अलग पंजीकरण शुल्क तय किया जाएगा।

नगर निगम की ओर से शासन को इसके लिए प्रस्ताव भी भेज दिया है। इसमें छोटे कुत्तों के लिए पंजीकरण शुल्क में 50 गुना की बढ़ोत्तरी की गई है। प्रस्ताव मंजूर होने के बाद छोटे कुत्तों के पंजीकरण के लिए 10 रुपये के स्थान पर 500 रुपये देने होंगे। वहीं, बड़े कुत्तों के लिए दस रुपये की जगह साल में एक हजार रुपये पंजीकरण शुल्क प्रस्तावित किया गया है।

बताया जाता है कि ब्रीडिंग के लिए रखे गए कुत्तों पर भी अभी दस रुपये ही पंजीकरण शुल्क था, जबकि नए प्रस्ताव में पहली दफा इसे बढ़ाकर पांच हजार रुपये प्रस्तावित किया गया है। नगर आयुक्त की ओर से प्रस्तावित दरों का सार्वजनिक प्रकाशन पूर्व में कराया जा चुका है। नई दरों के लिए शासन से अधिसूचना जारी होगी।

इसी माह हैंडओवर हो जाएगा एबीसी सेंटर

अवारा कुत्तों को पकड़कर उनका बधियाकरण कराने के लिए परसाखेड़ा में एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) का निर्माण कराया गया है। एक करोड़ 81 लाख रुपये की लागत से सेंटर बनाया गया है। जल निगम की कंस्ट्रक्शन एवं डिजाइन डिवीजन ने इसका निर्माण किया है। संभावना जताई जा रही है कि जल निगम इसी माह सेंटर नगर निगम को हैंडओवर कर देगा। बाकी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं।

व्यायाम शाला में भोज कार्यक्रम

सोहावल। अयोध्या। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पंचायतो की व्यायाम शाला के अंतर्गत लगभग 7 वर्ष पहले कई लाख रू से बनाई गई तहसीनपुर ग्राम पंचायत की व्यायाम शाला (पार्क) शनिवार को भोज शाला में बदल दिया गया। पार्क का गेट तोड़ कर बड़े बड़े टेंट खड़े किए गए और रात भर व्यायाम शाला में भोज का कार्यक्रम चलता रहा। इस सार्वजनिक स्थल में लगे लाखों रु के व्यायाम उपकरणों को क्षति पहुंचाई गई और पार्क गंदगी से पट गया।

पूर्व आई ए एस प्रशांत नागर द्वारा लोकार्पित इस व्यायामशाला में क्षेत्रीय लोग पहुंचकर व्यायाम करते हैं।आरोप है ग्राम प्रधान द्वारा संरक्षित और मनरेगा द्वारा रखे गए एक महिला कर्मी की निगरानी में चलने वाले इस पार्क को भोज स्थल बनाने के लिए ग्राम प्रधान की भी सहमति रही ।

17 सांसदों और 2 संसदीय समितियों को मिलेगा संसद रत्न पुरस्कार 2025

देश का दर्पण न्यूज
संवाददाता सुरेन्द्र कुमार सोनी

राजस्थान से बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सम्मान मिलेगा। मदन राठौड़ राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। मदन राठौड़ को ओवरऑल कैटेगिरी में सम्मान मिला है। पाली से लोकसभा सांसद पीपी चौधरी को भी सम्मान मिलेगा। इसी साल जुलाई के अंतिम सप्ताह में दिल्ली में संसद रत्न पुरस्कार दिया जाएगा। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन और ई-मैगजीन प्रीसेंस ने 2010 में पुरस्कार की स्थापना की थी। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के सुझाव पर पुरस्कार की स्थापना की गई थी।

डॉ. कलाम ने मई 2010 में चेन्नई में पहले पुरस्कार समारोह का उद्घाटन भी किया था। उल्लेखनीय है हंसराज गंगाराम अहीर इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता थे। ये पुरस्कार नागरिक समाज की ओर से प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2024 तक 14 पुरस्कार समारोहों में 125 पुरस्कार प्रदान किए जा चुके है।

वाइटलकेयर फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंदों को राशन सामग्री वितरित की गई।

वाइटलकेयर फाउंडेशन द्वारा विद्याधर नगर स्थित कच्ची बस्ती में जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री-आटा, दाल, चावल, तेल, मसाले आदि के किट वितरित किए गए। फाउंडेशन की ट्रस्टी ने बताया कि इस अवसर पर समाजसेवी विकास शर्मा, संगीता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हेल्प टू ह्यूमैनिटी ट्रस्ट द्वारा 101 परिंडे वितरित किए गए

भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के दाना पानी के लिए हेल्प टू ह्यूमैनिटी ट्रस्ट व पर्यावरण वन प्रकृति संवर्धन परिषद की तरफ से जैन मंदिर वाले पार्क लाल डिब्बा मुरलीपुरा में मिट्टी के बने परिंडे वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में वार्ड 16 की पार्षद महोदया श्रीमति दीपमाला शर्मा, हेल्प टू ह्यूमैनिटी ट्रस्ट की चेयरमेन व ट्रस्टी, मुकेश जोशी, रवि शर्मा आदि उपस्थित रहे

इस अवसर पर सभी ने परिंदों के लिए परिंडे लगाने व पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया क

श्रद्धालुओं के लिए राममंदिर में दर्शन की राह होगी आसान

अयोध्या। राममंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की राह अब और आसान होगी।मंदिर में प्रवेश से लेकर निकास द्वार तक 300 मीटर लंबी स्थाई कैनोपी लगाई जा रही हैं, जो किसी भी मौसम में श्रद्धालुओं के लिए सहायक साबित होंगी।कैनोपी की जिम्मेदारी एलएंडटी को दी गई थी।वहीं राम मंदिर परिसर के बाहर लगभग 250 मीटर लंबी कैनोपी राजकीय निर्माण निगम लगा रहा है। लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक श्रद्धालुओं को विभिन्न मौसम में तरह-तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। गर्मी में तेज धूप, बरसात में पानी और ठंड में शीत जैसी स्थितियों से गुजरना पड़ता था। दर्शन मार्ग और निकास मार्ग पर स्थाई कैनोपी लगाई जा रही है। लोग आसानी से पैदल चलकर राम मंदिर में दर्शन कर सकेंगे।

रामपुर रजा लाइब्रेरी ने भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में प्रदर्शनी का किया आयोजन

रामपुर रजा लाइब्रेरी भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में 15 से 21 मई तक एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम ' वीरोत्सव ' का आयोजन कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर में सैनिकों की बहादुरी को याद करना है । पुस्तकालय द्वारा 'एक देश, एक धड़कन' विषय पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है।

रामपुर रजा लाइब्रेरी के निदेशक पुष्कर मिश्रा ने एएनआई से बात करते हुए कहा, "भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को उनके ही स्थानों पर दफना दिया, उन्होंने पहलगाम में लोगों को उनका धर्म पूछकर मार डाला था। हमारे बहादुर सशस्त्र बलों के साहस का सम्मान करने के लिए, रामपुर रजा लाइब्रेरी ने 15 से 21 मई तक ' वीरोत्सव ' का आयोजन किया है।" उन्होंने कहा, "हमने अपने वीरों से संबंधित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया है। 'एक देश, एक धड़कन' यात्रा 19 मई को निर्धारित है, जो शाम 5 बजे गांधी समाधि, रामपुर से शुरू होगी और रामपुर रजा लाइब्रेरी के प्रांगण में समाप्त होगी ।" इस अवसर पर लाइब्रेरी में एक प्रदर्शनी लगाई गई है जिसमें भारतीय सैनिकों से जुड़ी किताबें और तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले सैनिक भी शामिल हैं। प्रदर्शनी में इस क्षेत्र से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों और नवाबों से जुड़ी ऐतिहासिक वस्तुएं, हथियार और सामान भी शामिल हैं।

इस सभा में पुस्तकालय अधिकारियों, सुरक्षा बलों के कर्मियों, स्थानीय संगठनों और रामपुर के नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है ।

यात्रा के संदेश पर प्रकाश डालते हुए मिश्रा ने कहा, "जो लोग धर्म पूछकर गोली चलाते हैं, हम पूरे ग्रह के नागरिकों को यह संदेश देना चाहते हैं कि हम सभी भारतीय एक हैं। हमारा देश एक है, हमारी धड़कन एक है और हम अपने वीर सैनिकों की बहादुरी को नमन करते हैं।" उन्होंने कहा, " रामपुर रजा लाइब्रेरी की एक देश, एक धड़कन यात्रा का संदेश यह है कि हमें कोई तोड़ नहीं सकता। हम सब धार्मिक आतंकवाद के खिलाफ एक हैं और हम सब मिलकर पूरी दुनिया से इस धार्मिक आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।" आगंतुकों ने प्रदर्शनी तथा भारत के सैन्य इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के प्रयास की सराहना की।

स्थानीय पर्यटक अंकुश ने कहा, "यहां हमें अपने पुराने इतिहास के बारे में कुछ जानकारी मिली है, जो महान व्यक्ति थे। और हमें यह अच्छा लगा... बाकी यहां सुंदर है और हमें उनके बारे में जानकारी मिली।" बरेली जिले से आए रवि सिंह ने कहा, "जब मैं प्रांगण में प्रवेश कर रहा था, तो मैंने देखा कि यह बहुत सुंदर फुलवाड़ी है और किला भी है... उनके बारे में किताबें हैं, शास्त्र हैं, बहुत सी किताबें हैं, लोग बड़े आराम से पढ़ रहे हैं।

फफूंदी वाली जलेबी खाने से बच्ची बीमार, जांच के लिए नमूने लिए गए

गाजियाबादः गोविंदपुरम स्थित एक मिठाई की दुकान से पनीर की जलेबी खाने के बाद एक 12 वर्षीय बच्ची की तबियत बिगड़ गई। बच्ची ने जलेबी खाने के तुरंत बाद उल्टी कर दी, जिसके बाद उसके परिजन उसे लेकर तुरंत चिकित्सक के पास पहुंचे। प्राथमिक जांच में पता चला कि जलेबी में फफूंदी लगी हुई थी। मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया और दुकान से जलेबी के नमूने जांच के लिए भेजने के साथ ही दूषित जलेबी नष्ट कराई है। स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) भोजपुर क्षेत्र में तैनात राहुल शिवाच गोविंदपुरम में रहते हैं। वह शनिवार की शाम एनडीआरएफ रोड स्थित एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान से पनीर वाली जलेबी खरीदकर घर ले गए थे। घर पहुंचने पर उनकी बेटी ने जलेबी खाई, तो उसकी तबियत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टी होने लगी और बेचैनी महसूस हुई। परिजनों को शक हुआ कि जलेबी में कुछ गड़बड़ है। राहुल शिवाच तुरंत जलेबी लेकर वापस दुकान पहुंचे और दुकानदार से शिकायत की। उन्होंने देखा कि जलेबी में फफूंदी लगी हुई थी और उसमें से अजीब सी दुर्गंध आ रही थी। इस बात को लेकर उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग को भी सूचना दी। घटना की जानकारी फैलते ही आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए और दुकानदार से जवाब मांगने लगे।

कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि दुकान में मिठाइयों की गुणवत्ता पहले भी सवालों के घेरे में रही है। फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर है, लेकिन इस घटना ने खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि त्योहारों से पहले मिठाई दुकानों की सघन जांच की जाए, ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला अभिहित अधिकारी डॉ. अरविंद यादव ने बताया कि दुकान से जलेबी के नमूने एकत्र कर लिए गए हैं। जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। साथ ही खराब जलेबी को नष्ट भी करा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अपहरण-हत्या का आरोपी गिरफ्तार

बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में रविवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद अपहरण और हत्या के एक आरोपी को पकड़ लिया गया। आरोपी की पहचान संभल जिले के गुन्नौर के गोठना गांव निवासी नरेश के रूप में हुई है, जिसने आहार रोड पर पुलिस चेकिंग अभियान के दौरान भागने का प्रयास किया।

क्षेत्राधिकारी रामकरण सिंह ने बताया कि, "आज दिनांक 18.05.2025 को अनूपशहर पुलिस द्वारा आहार रोड पर नियमित चेकिंग के दौरान मैं, थाना प्रभारी व पुलिस टीम के साथ संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहा था। इस दौरान एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो वह मुड़कर भागने का प्रयास करने लगा।" उन्होंने कहा, "जब पुलिस ने उसका पीछा किया तो उसने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा के लिए गोली चलाई, जिसमें उसके दाहिने पैर में गोली लगी।" पकड़े जाने के बाद आरोपी ने अपना नाम नरेश पुत्र इंदल निवासी गांव गोठना, गुन्नौर, संभल बताया। वह अनूपशहर थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 198/88 धारा 137(2) भादंसं में वांछित था।

भारत ने आतंकवाद को दिया करारा जवाब, दुनिया को दिया संदेश : उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रहित, सुरक्षा और शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब वह समय नहीं रहा जब हम अपने हितों के विरोधी देशों को यात्रा या आयात के माध्यम से सशक्त करते रहें। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, अब समय आ गया है जब हममें से प्रत्येक को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गहराई से सोचना चाहिए। हम अब उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए यात्रा या आयात के माध्यम से अपनी भागीदारी के कारण खर्च नहीं कर सकते जो संकट के समय हमारे खिलाफ खड़े हो जाते हैं। हर व्यक्ति राष्ट्र की सुरक्षा में मदद करने के लिए सशक्त है और हम व्यापार, व्यवसाय, वाणिज्य, विशेष रूप से सुरक्षा के मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमें हमेशा एक बात ध्यान में रखनी चाहिए, और वह है: 'राष्ट्र प्रथम'। हर चीज को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण के आधार पर देखा जाना चाहिए।

मिनटों की आंधी-बारिश से हाहाकार : दिल्ली-एनसीआर में पेड़ और खंभे गिरे, रैपिड रेल की शेड उड़ी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के कई इलाकों में को मौसम पूरी तरह से बदल गया। आसमान में अचानक से काले बादल छा गए। जिससे साथ तेज गर्म हवाएं चलने लगी। मिनटों की आंधी और बारिश से कई जगहों पर भारी नुकसान हुआ है। आज तेज आंधी के कारण न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन की टिन की छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सावधानी के तौर पर न्यू अशोक नगर स्टेशन पर परिचालन तत्काल रोक दिया गया है। घटना के संबंध में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जांच की जा रही है। भविष्य में इस तरह की घटना को रोकने के लिए आवश्यक सुधार कार्य आरंभ कर दिए गए हैं। न्यू अशोक नगर स्टेशन पर सेवाएं अगले निर्देश तक बंद रहेंगी। वहीं नोएडा में भारी बारिश से शहर के कुछ हिस्सों में पेड़ और खंभा गिरने से गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। सड़कों पर जाम लग गया। नोएडा में दोपहर के समय नोएडा और आसपास के इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से परेशान लोग जैसे ही राहत की उम्मीद छोड़ने लगे, दोपहर बाद मौसम ने करवट ले ली। देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। मौसम के इस बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और माहौल खुशनुमा हो गया।

मंत्री आशीष सूद ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए, बुजुर्गों को 10 लाख तक का इलाज मिलेगा फ्री

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड मिलने लगे हैं। इसी कड़ी में आज दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा, 'आयुष्मान कार्ड का वितरण मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। हमने अब तक हजारों लोगों के कार्ड बनाए हैं। इसके साथ ही हम अस्पतालों की सूची भी उपलब्ध करा रहे हैं ताकि वे उन अस्पतालों में जाकर इसका लाभ उठा सकें। हम उन्हें इसके बारे में जागरूक भी कर रहे हैं।' आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर को प्रदर्शित करने के लिए प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पर उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री का यह बहुत सराहनीय प्रयास है। पाकिस्तान की नापाक हरकतों और आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचेगा और पाकिस्तान की गलत सूचनाओं का मुकाबला करने का काम इन प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से होगा।'

जलेबी में मिली फफूंदी: 12 साल की बच्ची बीमार

नई दिल्ली। गोविंदपुरम स्थित एक मिठाई की दुकान से पनीर की जलेबी खाने के बाद एक 12 वर्षीय बच्ची की तबीयत बिगड़ गई। बच्ची ने जलेबी खाने के तुरंत बाद उल्टी कर दी, जिसके बाद उसके परिजन उसे लेकर तुरंत चिकित्सक के पास पहुंचे। प्राथमिक जांच में पता चला कि जलेबी में फफूंदी लगी हुई थी। मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग हरकत में आया और दुकान से जलेबी के नमूने जांच के लिए भेजने के साथ ही दूषित जलेबी नष्ट कराई है। स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) भोजपुर क्षेत्र में तैनात राहुल शिवाच गोविंदपुरम में रहते हैं। वह शनिवार की शाम एनडीआरएफ रोड स्थित एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान से पनीर वाली जलेबी खरीदकर घर ले गए थे। घर पहुंचने पर उनकी बेटी ने जलेबी खाई, तो उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टी होने लगी और बेचैनी महसूस हुई।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति को अपनी हाल ही में लॉन्च की गई पुस्तक ''जनता की कहानी मेरी आत्मकथा'' की प्रति भेंट की। राज्यपाल ने एक बयान में कहा कि यह बहुत खुशी और सम्मान का क्षण था क्योंकि राष्ट्रपति ने पुस्तक के कुछ पन्नों को विनम्रतापूर्वक पढ़ा और आत्मकथा में शामिल विषयों पर अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, जो मेरे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति सेवा का वर्णन करती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा में चल रहे विकास कार्यों के

बारे में जानकारी ली, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में विशेष रुचि थी। राज्यपाल दत्तात्रेय ने उन्हें राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और महिला सशक्तिकरण सहित प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे विकास के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को हरियाणा में अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत कराया। राष्ट्रपति ने हरियाणा में लड़कियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों, विशेष रूप से खेल क्षेत्र के बारे में, जानकर प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य की प्रगति में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति ने राज्यपाल दत्तात्रेय की सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में राज्य द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण की सराहना की।

विदेश मंत्री के बयान पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के हालिया बयान को आधार बनाते हुए कहा कि हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था, ...ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढाँचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे....। इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा था कि पाकिस्तान ने सैन्य हस्तक्षेप न करने की भारत की 'अच्छी सलाह' को नहीं माना। वहीं, 10 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से नुकसान पहुँचाया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता

चलता है कि किसे (पाकिस्तान) नुकसान हुआ है। इससे यह भी स्पष्ट है कि कौन (पाकिस्तान) गोलीबारी बंद करना चाहता था।

दिल्ली के महेन्द्रा पार्क क्षेत्र से तीन बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेनर्स सेल ने एक विशेष अभियान के दौरान तीन अवैध रूप से भारत में रह रही बांग्लादेशी महिलाओं को महेन्द्रा पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इनमें से एक महिला खुद को ट्रांसजेंडर बताकर पश्चिम बंगाल की निवासी के रूप में इलाके में पहचान बना चुकी थी और सड़क किनारे मोमोज की रेहड़ी लगाकर खुद को छुपा रही थी। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि उनके पास से दो स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। इसमें प्रतिबंधित आईएमओ एप इंस्टॉल था, जिसका उपयोग वे बांग्लादेश में अपने परिजनों से बातचीत के लिए करती थीं। इसके अलावा एक की-पैड मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि फॉरेनर्स सेल की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपितों में से दीपा नाम से जानी जाने वाली एक युवती ने फेसबुक पर एक भारतीय युवक से दोस्ती की थी। बातचीत बढ़ने पर वह अवैध रूप से बांग्लादेश से सीमा पार कर भारत में दाखिल हुई। युवक ने उसे पश्चिम बंगाल में रिसीव किया और फिर वे दिल्ली में एक किराए के मकान में साथ रहने लगी। पड़ोसी उसे पश्चिम बंगाल की स्थानीय युवती मानते थे। पकड़ी गईं महिलाओं की पहचान अलीना (22), तंजीना रहमान उर्फ दीपा (22) और सुहान खान (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों महिलाओं को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एफआरआरओ आरके पुरम को सौंप दिया है। डीसीपी के अनुसार मई 2025 में सोशल मीडिया पर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का विश्लेषण शुरू किया गया। एक फेसबुक रील के जरिए उन्हें महेन्द्रा पार्क इलाके की एक गली की पहचान हुई। इसमें एक आइसक्रीम रेहड़ी को दिखाया गया था। उसी वीडियो के आधार पर पुलिस ने करीब 50 गलियों की तलाशी ली और आखिरकार संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। 'दीपा' नाम से रह रही युवती से पूछताछ के बाद दो अन्य बांग्लादेशी महिलाओं की भी पहचान हुई और उन्हें हिरासत में लिया गया। शुरू में दोनों महिलाओं ने खुद को भारतीय नागरिक बताने की कोशिश की, लेकिन मोबाइल फोन की जांच और पूछताछ में सच्चाई सामने आ गई। तीनों ने यह कबूल किया कि वह बेनापुर बॉर्डर के रास्ते से भारत में आई। यहां वे अपने-अपने पुरुष साथियों के साथ लिव-इन में रह रही थीं।

सरोजिनी नगर मार्केट में आधी रात को चला एनडीएमसी का बुलडोजर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सबसे चर्चित और सस्ती मार्केटों में शामिल सरोजिनी नगर मार्केट में शनिवार-रविवार रात 12.30 बजे एनडीएमसी ने बुलडोजर चलाया। एनडीएमसी की यह कार्रवाई अवैध रूप से बनाई दुकानों पर हुई है। वहीं, एनडीएमसी की इस कार्रवाई पर दुकानदारों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। दुकानदारों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के वैध दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि आधी रात को एनडीएमसी की ओर से तोड़फोड़ की गई। इस कार्रवाई में बड़ी दुकानों और मिनी मार्केट्स को नुकसान पहुंचा है, यहां तक कि छतें भी तोड़ दी गई हैं। आधी रात को यह कैसी कार्रवाई हो रही है? एनडीएमसी को कोई कार्रवाई करनी थी तो नोटिस दे सकते थे। लेकिन, बिना नोटिस के यह कार्रवाई कितनी ठीक है? एनडीएमसी की इस कार्रवाई के विरोध में हम रविवार को मार्केट बंद रखेंगे। वहीं, अन्य दुकानदारों का कहना है कि एनडीएमसी की ओर से जो कार्रवाई की गई, उससे हमारी दुकानों को नुकसान हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि एनडीएमसी की ओर से इस कार्रवाई में करीब 500 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया है। बता दें कि सरोजिनी नगर मार्केट दिल्ली की सबसे पुरानी मार्केट में से एक है। यहां पर दिल्ली ही नहीं बल्कि दिल्ली के बाहर से भी लोग कपड़े की खरीददारी करने के लिए पहुंचते हैं। शनिवार-रविवार को यहां पर लोगों की भारी भीड़ होती है। यहां पर नियमित दुकानों की आड़ में पटरी पर भी भारी संख्या में

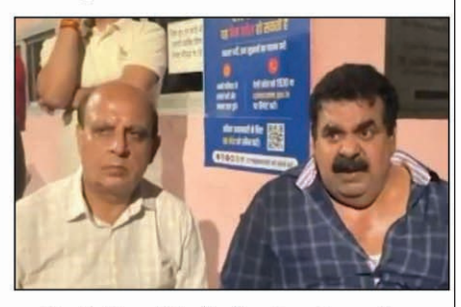

दुकानें संचालित होती हैं, जिससे यहां पर भीड़-भाड़ काफी ज्यादा होती है। मार्केट एसोसिएशन की ओर से पटरी पर सजने वाली दुकानों के खिलाफ कई बार शिकायत भी की गई। लेकिन, पटरी पर लगने वाले बाजार कम होने की जगह इनकी तादाद बढ़ी। वहीं, एनडीएमसी के हवाले से बताया गया है कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एनडीएमसी की कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे का निरीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे के 210 किलोमीटर हिस्से का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को परियोजना को तेजी से पूरा करने और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

एक्सप्रेस वे की विशेषताएं:

- लंबाई और लागत: एक्सप्रेस वे की लंबाई 210 किलोमीटर है, जिसकी निर्माण लागत लगभग 12,000 करोड़ रुपये है।

- गति और यात्रा समय: एक्सप्रेस वे की निर्धारित गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जिससे दिल्ली से देहरादून तक की यात्रा का समय मौजूदा 6.5 घंटे से घटकर

2.5 घंटे रह जाएगा।

- रूट: एक्सप्रेस वे अक्षरधाम मंदिर दिल्ली से शुरू होकर बागपत, बड़ौत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर से होकर गुजरेगा और देहरादून में समाप्त होगा।

- पर्यावरण संरक्षण: एक्सप्रेस वे के विकास के दौरान राजाजी राष्ट्रीय पार्क में 12 किलोमीटर लंबा एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर विकसित किया गया है।

मंत्री के निर्देश:

- हर्ष मल्होत्रा ने एनएचएआई अधिकारियों को परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।

- परियोजना का शेष भाग 2-3 महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है।

एक्सप्रेस वे का महत्व:

- एक्सप्रेस वे दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने में सहायक होगा।

- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे और अन्य कनेक्टिंग राजमार्गों पर भार कम होगा।

- एक्सप्रेस वे उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के हिल स्टेशनों और तीर्थ स्थलों से संपर्क बढ़ाएगा।

दिल्ली के पहाड़गंज में दीवार गिरने से हादसा, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, कई लोग मलबे में फंस गए। दरअसल, एक निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट का काम चल रहा था। इसी दौरान दीवार गिर गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। यह घटना शाम करीब 6:05 बजे के आसपास आरा कंसा रोड, कृष्णा होटल के पास हुई। घटना के बाद बताया गया कि कुछ लोग मलबे में फंसे हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। शाम 6:35 बजे जानकारी मिली कि बेसमेंट के निर्माण के दौरान पास की दीवार गिर गई, जिससे तीन लोग मलबे में दब गए। उन्हें तुरंत बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अब तक की जानकारी में तीन लोगों की मौत हो चुकी है और दो लोग घायल हैं।

इस घटना के बाद रेस्क्यू

ऑपरेशन जारी है। प्रशासन और राहत टीम मौके पर मौजूद हैं, मलबा हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली में पिछले महीने एक इमारत ढह गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली के मुस्तफाबाद में 19 अप्रैल को इमारत ढहने से 11 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में कई लोग घायल भी हुए थे।

केंद्र का अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को चिन्हित करने का निर्देश

एजेंसी

रांची। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है, जिसमें झारखंड में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। पत्र में यह भी निर्देश दिया कि है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या को चिन्हित करने के लिए राज्य के हर जिले में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करें। उसके बाद एक होल्डिंग सेंटर बनाएं। दरअसल, झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों की पहचान कर उन्हें समूह में देश से बाहर भेजने की कवायद शुरू की गई है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को देश से बाहर भेजने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को डिपोर्ट करने के लिए प्रोसीजर बनाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी किए गए पत्र में लिखा गया है कि केंद्र के पास संघीय पुलिसिंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सभी राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें

चिन्हित जगह पर रखें और फिर डिपोर्ट की कार्रवाई शुरू करें। चिन्हित प्रवासियों के मूवमेंट पर रोक लगाना राज्य सरकार के अधीन होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से लिखे गए पत्र में यह भी बताया गया है कि अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को डिपोर्ट करने के लिए एक होल्डिंग सेंटर का निर्माण करें। होल्डिंग सेंटर में ही चिन्हित किए गए बांग्लादेशी और रोहिंग्या को लाकर रखना है। होल्डिंग सेंटर में जांच पड़ताल पूरी करने के बाद उन्हें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को सौंपा जाएगा। इसके बाद संबंधित देश को उनके नागरिकों को सौंपा जाएगा। इस दिशा में कार्रवाई के लिए केंद्र की ओर से पत्र मुख्य सचिव के स्तर से पुलिस मुख्यालय और सभी जिलों को भी भेजा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह आदेश दिया है कि यदि संदिग्ध बांग्लादेशी या म्यांमार का नागरिक (रोहिंग्या) खुद को भारतीय नागरिक होने का दावा करता है और वह किसी अन्य राज्य में रह रहा हो, तो संबंधित राज्य सरकार गृह सचिव और जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को, जहां से संदिग्ध व्यक्ति आने का दावा करता है।

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और राष्ट्र की सेवा में अनेक वर्षों तक काम करने की कामना करती हूं।पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, हमारे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्हें हमारे संविधान का बहुत ज्ञान है, जो एक अग्रणी वकील के रूप में उनके वर्षों के काम से झलकता है। उन्होंने राज्यसभा की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। समाज सेवा के प्रति उनकी रुचि भी बहुत अधिक है। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं। दूसरे पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्हें उनके राजनेता जैसे दृष्टिकोण और जनसेवा के प्रति जुनून के लिए व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। कई मुद्दों पर उनकी बुद्धिमत्ता और अंतर्दृष्टि महान शक्ति का स्रोत है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय संविधान के बारे में उनके अद्भुत ज्ञान के लिए जाने जाते हैं, उनकी बुद्धिमत्ता और दृढ़ता की भी प्रशंसा की जाती है। हमारा राष्ट्र उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शिता के लिए आभारी है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।

भारतीय सेना ने किया भारत-पाक के बीच सीजफायर खत्म होने की खबर का खंडन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने उन अफवाहों का खंडन कर दिया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर खत्म हो रहा है। भारतीय सेना ने कहा कि यह महज बस अफवाह है और सीजफायर खत्म नहीं हो रहा है। भारतीय सेना ने कुछ मीडिया हाउस के इस दावे का खंडन किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर रविवार को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, भारतीय सेना ने भारत और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर डीजीएमओ स्तर की वार्ता पर भी स्पष्टीकरण दिया है।

भारतीय सेना की ओर से रविवार को कहा गया है कि कुछ मीडिया हाउस में यह रिपोर्ट चल रही है कि आज भारत-पाक सीजफायर खत्म हो रहा है। जबकि, ऐसा नहीं है। ऐसी खबरें पूर्ण रूप से गलत हैं। वहीं, डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) स्तर की बातचीत पर सेना ने कहा कि आज कोई बातचीत निर्धारित नहीं की गई है। सेना ने साफतौर पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 12 मई को भारत-पाक के डीजीएमओ के बीच जो सीजफायर को लेकर बातचीत

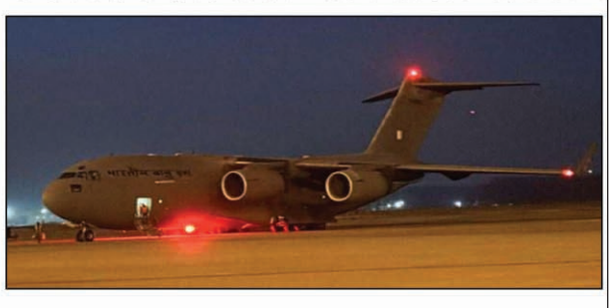

हुई, उसमें कोई समाप्ति तिथि निर्धारित नहीं की गई है। यानी यह अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। ज्ञात हो कि भारत-पाक के सीजफायर को लेकर कुछ मीडिया संस्थानों की ओर से खबरें चलाई गई कि आज भारत-पाक के डीजीएमओ स्तर की बातचीत होनी है और इसका मुख्य उद्देश्य भारत-पाक के सीजफायर खत्म होने को लेकर है। हालांकि, भारतीय सेना ने इन सभी खबरों को झूठा करार दिया है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर चलाकर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। बॉर्डर से सटे शहरों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल दागे गए। लेकिन, भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन और मिसाइल को हवा में ही नाकाम कर दिया। सेना ने पाकिस्तान की हर नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया।

पार्षदों को काम कराने के लिए बजट नहीं मिला, पार्टी नेतृत्व अनुभवहीन - मुकेश गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली, । आम आदमी पार्टी (आप) को नगर निगम में बड़ा झटका लगा है। 15 निगम पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देते हुए पार्टी से नाता तोड़ लिया है। इन सभी पार्षदों ने एक नया राजनीतिक मंच बनाने का ऐलान किया है, जिसका नाम 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' रखा गया है। इस्तीफा देने वालों में शामिल पार्षद मुकेश गोयल ने मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। मुकेश गोयल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हम आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर आए थे और उस समय हमें 250 में से 135 सीटें मिली थीं, लेकिन आज हमारी संख्या धीरे-धीरे घटकर 90 के आसपास पहुंच गई है। आखिर इसकी वजह क्या है? गोयल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद निगम पार्षदों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि हमने ढाई साल सत्ता में रहकर कोई काम नहीं किया। हमें कोई बजट नहीं मिला, संसाधन नहीं मिले। निगम पार्षदों को कोई फंड नहीं दिया गया। हमारे पार्षद हर तरफ से परेशान हैं। जब हम अपने क्षेत्र में जाते हैं, तो जनता सवाल करती है और हमारे पास जवाब नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व अनुभवहीन हो गया है और वरिष्ठ पार्षदों की कोई सुनवाई नहीं होती। साल में एक-दो बार बैठक होती है और उसमें भी पार्षदों को धमकाया जाता है कि जिसे जहां जाना है, चला जाए।बता दें कि हेमचंद, हिमानी जैन, रुनाक्षी शर्मा, उषा शर्मा, राखी यादव, साहिब कुमार, राजेश कुमार, मनीषा, सुमन समेत 15 पार्षदों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले पार्षदों ने अब एक नया तीसरा मोर्चा (थर्ड फ्रंट) बनाने का ऐलान किया, जिसका नाम 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' रखा गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन पार्षदों ने अपने फैसले की जानकारी दी।

पालक से डार्क चॉकलेट तक्ज आयस्न की कमी को दूर कस्ते हैं ये फूड्स

महिलाओं में सबसे ज्यादा आयरन की कमी देखी जाती है क्योंकि वे पीरियड्स से गुजरती हैं और इसी वजह से सही डाइट न होने के कारण उनके शरीर में आयरन की कमी हो जाती है. तो इस आर्टिकल में जानते हैं कि वेजिटेरियन लोग अपनी डाइट में किन आयरन रिच फूड्स को शामिल कर सकते हैं.

अगर आपको भी थकान महसूस होती है और किसी काम को करने में मन नहीं लगता है तो ये वजह हो सकती है कि आपके शरीर में खून की कमी है. ये समस्या ज्यादातर महिलाओं और जो लोग वेजिटेरियन हैं उनके साथ होती है. अब ऐसे में आप अपनी डाइट में कुछ आयरन रिच फूड्स को शामिल कर सकते हैं जो आपके शरीर को फिट रखने में हेल्प करेंगे और आयरन की कमी को दूर करेंगे.आयरन केवल मीट या फिश में ही नहीं होता है. शाकाहारी लोगों के पास भी कई ऑप्शन हैं जिनको वो डाइट में शामिल करके शरीर में हो रही आयरन की कमी को दूर कर सकते हैं. उसके लिए आप अपनी डाइट में पालक, दाल, छोले, डार्क चॉकलेट का सेवन करके आयरन की कमी को पूरा कर सकते हैं. तो चलिए जानते हैं ये फूड्स आयरन को कैसे बढ़ाते हैं.ड्रोन बनाते हैं तुर्की राष्ट्रपति के दामाद, बेटी भी निशाने पर; भारत की इस कंपनी से क्या है नाता?ये 5 आयरन रिट फूड्स जिन्हें डाइट में जरूर करना चाहिए शामिल

पालक को करें डाइट में शामिल

पालक एक आयरन रिच फूड है. एक कटोरी पालक में 6.4 मेगाग्राम आयरन होता है जो महिलाओं में खून की कमी को दूर करने में मदद करता है. सबसे अच्छी बात ये है कि पालक को आप कई तरह से अपने खाने का हिस्सा बना सकते हैं. फिर चाहे इसका सूप बना लें, सब्जी बना लें, पास्ता में डाल दें या स्मूदी बना दें. पालक में आयरन के साथ-साथ विटामिन सी भी होता है जो आपकी बॉडी के लिए बहुत जरूरी होता है.

दालें भी हैं लिस्ट में

दालों में आयरन अच्छी मात्रा में होता है. एक कटोरी दाल में 6.6 मेगाग्राम आयरन होता है. सबसे अच्छी बात है कि दाल तो आपके खाने का हिस्सा होती है और ये सस्ती भी मिल जाती है. इसके अलावा दाल में प्रोटीन भी भरपूर मात्रा में होता जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होता है.

छोला भी है आयरन रिच

एक कटोरी छोले में करीब 4.7 मेगाग्राम आयरन होता है. इसे आप सब्जी के तौर पर, सलाद, स्नैक्स की तरह खा सकते हैं. ये सबसे अच्छा तरीका है शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने का.

टोफू हैं फायदेमंद

टोफू विगन लोगों का पसंदीदा आहार है. आधी कटोरी टोफू में 3.4 मेगाग्राम आयरन होता है. आयरन के साथ-साथ इसमें प्रोटीन और कैल्शियम भी अच्छी मात्रा में होता है. ये आपके शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है.

डार्क चॉकलेट से बढ़ेगा आयरन

डार्क चॉकलेट न केवल आपकी क्रेविंग को दूर करता है और मूड को रिफ्रेश करने में हेल्प करता है. बल्कि डार्क चॉकलेट शरीर में आयरन को भी बढ़ाने में हेल्प करता है.

बांग्लादेश में अवामी लीग पर प्रतिबंध के व्यापक परिणाम होंगे

इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें- उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं। सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय की वैधता को कमजोर करता है। इतिहास से पता चलता है कि पार्टियों को भंग करने से राष्ट्रों में कभी सुधार नहीं होता। यह अक्सर दरारों को और गहरा करता है।

पिछले सप्ताह डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने से देश में सक्रिय राजनीतिक दलों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं। इसी तरह, यह निर्णय भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब उसके पड़ोसी देश में कोई भी मित्र राजनीतिक दल सक्रिय नहीं है। यूनुस सरकार की इस कार्रवाई के व्यापक प्रभाव पर भारतीय मीडिया का अभी ध्यान नहीं गया है, क्योंकि पिछले सप्ताह भारत-पाकिस्तान संघर्ष में इसकी पूरी तरह से संलिप्तता रही है, लेकिन दक्षिण एशियाई मामलों के भारतीय विशेषज्ञ इस बात पर गौर कर रहे हैं कि इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली राष्ट्र होने के बावजूद नरेंद्र मोदी सरकार अब दक्षिण एशियाई देशों में पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गयी है।अवामी लीग(एएल)शेख मुजीबुर रहमान द्वारा स्थापित राजनीतिक पार्टी है और इस पार्टी ने 1971 में बांग्लादेश के गठन के लिए मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। एएल ने 2024 तक बांग्लादेश पर अधिकांश वर्षों तक शासन किया, सिवा सेना शासन के वर्षों और खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपीके दो कार्यकालों को छोड़कर। वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल बीएनपी है जिसकी अध्यक्ष हैं खालिद जिया। शेख हसीना ने 2009 से लगातार पंद्रह वर्षों तक शासन किया, लेकिन 5 अगस्त, 2024 को उन्हें अवामी लीग सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में अपना पद छोड़ना पड़ा और वे भारत चली आयीं। वे अभी भी भारत में रह रही हैं और कभी-कभी वीडियो के माध्यम से बांग्लादेश में अपने एएल समर्थकों को संबोधित करती हैं।पिछले सप्ताह ढाका में छात्रों की नयी पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने 72 घंटे की विशाल रैली निकाली, जिसमें सरकार से अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी। एनसीपी एकमात्र पार्टी है, जिसने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने को अपना मुख्य कार्यक्रम बनाया है। पहले चर्चा थी कि अवामी लीग को सीमित रूप में काम करने दिया जायेगा,जिसमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल नहीं किया जायेगा, जिन पर हत्या और यातना देने के आरोप हैं। बीएनपी पहले कुछ दिशा-निर्देशों के तहत एएल को चुनाव में भाग लेने देने के पक्ष में थी, लेकिन अब सरकार के आधिकारिक प्रतिबंध के बाद बीएनपी ने भी प्रतिबंध को राष्ट्रीय मांग बताते हुए उसे अपने समर्थन की घोषणा की है।परिणामस्वरूप, आने वाले चुनावों में मुकाबला दो मुख्य पार्टियों - बीएनपी, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कर रही हैं और एनसीपी जिसका नेतृत्व छात्रों द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में आरक्षण विरोधी आंदोलन के जरिये शेख हसीना सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभायी थी- के बीच होगा। अन्य पार्टियां, जो बहुत छोटी हैं,वे किसी न किसी समूह के साथ गठबंधन करने की कोशिश करेंगी। हाल के महीनों में जमात-ए-इस्लामी ने विदेशों में इस्लामी देशों से बड़ी वित्तीय सहायता के कारण ताकत हासिल की है, लेकिन नागरिकों के बीच इस पार्टी की स्वीकार्यता बहुत कम है। मुख्य चुनावी लड़ाई बीएनपी और एनसीपी तक ही सीमित रहेगी।अवामी लीग का भविष्य क्या है? अवामी लीग के पास देश में अभी भी समर्पित कार्यकर्ताओं का एक समूह है, हालांकि उनमें से कई खुले तौर पर काम नहीं कर सकते। अवामी लीग निश्चित रूप से प्रतिबंध को अदालत में चुनौती देगी। लेकिन सरकार ने आदेश में कुछ विशेष प्रावधान जोड़े हैं, जिससे अगर अवामी लीग कानूनी लड़ाई लड़ना चाहती है तो उसके लिए मुश्किल हो जायेगी। अवामी लीग की नेता शेख हसीना हाल के हफ्तों में सक्रिय नहीं रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष से निपटने में अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। इसलिए भारतीय विदेश मंत्रालय शेख हसीना को अभी भारतीय धरती से कोई सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहेगा।बांग्लादेश के राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच सरकार द्वारा अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने और क्या इससे अवामी लीग एक राजनीतिक पार्टी के रूप में खत्म हो जाएगी, इस बारे में अलग-अलग राय हैं।बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक डेली स्टार के अनुसार, अवामी लीग केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं है - यह एक बहु-पीढ़ी संस्था है। देश भर में लाखों लोगों ने अतीत में इसका समर्थन किया है, उनमें से कई ऐसे परिवारों में जन्मे हैं जो दशकों से पार्टी का हिस्सा रहे हैं। नयी वास्तविकता में इन लोगों का क्या होगा? वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है।इसके अलावा, प्रतिबंध एएल को ठीक वही देता है जिसकी उसे अपनी छवि को फिर से बनाने के लिए ज़रूरत है - उत्पीड़क से उत्पीड़ित तक। डेली में व्यक्त राय के अंश में कहा गया है

कि वही पार्टी जिसने असहमति को दबाने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल किया, अब पीड़ित होने का दावा करती है। यह भी बताया गया है कि बांग्लादेश नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वचन (आईसीसीपीआर) का हस्ताक्षरकर्ता है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि राजनीतिक अधिकारों पर प्रतिबंधों को वैधता, आवश्यकता और आनुपातिकता के परीक्षणों को पूरा करना चाहिए।एक व्यापक पार्टी प्रतिबंध - राजनीतिक प्रतिबंध का सबसे चरम रूप - केवल तभी उचित ठहराया जा सकता है जब अन्य सभी छोटे प्रतिबंधात्मक साधन स्पष्ट रूप से विफल हो गये हों। राज्य के पास अभी भी शक्तिशाली उपकरण हैं- वह विश्वसनीय रूप से अपराध के आरोपी एएल नेताओं पर मुकदमा चला सकता है, गवाहों और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, हिंसक गुटों को भंग कर सकता है और यहां तक कि लक्षित दंड भी लगा सकता है। ये तंत्र न्याय को मजबूत करते हैं।इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें- उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं। सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय की वैधता को कमजोर करता है। इतिहास से पता चलता है कि पार्टियों को भंग करने से राष्ट्रों में कभी सुधार नहीं होता। यह अक्सर दरारों को और गहरा करता है, शिकायतों को बढ़ाता है, और उन लोगों को शहीद बनाता है जो कभी आरोपी थे।लेकिन ये तर्क शिक्षित हलकों तक ही सीमित हैं। फिलहाल, एनसीपी और जमात द्वारा अवामी लीग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए एक राजनीतिक माहौल बनाया गया है। इस बात की बहुत कम संभावना है कि चुनाव से पहले इस स्थिति में कोई बदलाव आयेगा। इसे केवल अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप से ही संभव बनाया जा सकता है। केवल अमेरिका ही आने वाले चुनावों में अवामी लीग के लिए कुछ जगह बनाने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। लेकिन अभी तक इस बात क ा कोई संकेत नहीं हैं कि अमेरिका ऐसा करेगा।

संपादकीय

सीवर में दर्दनाक मौतें

यह बेहद कष्टकारी व अमानवीय है कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग हाथ से मैला साफ करने के व्यवसाय में लगे हैं। जहां सीवर में उतरते ही मौत उनका इंतजार कर रही होती है। लेकिन कोर्ट और सरकारों की सख्ती जमीन पर नजर नहीं आती। सरकार व स्थानीय निकाय यूं तो सीवर साफ करने के लिये कर्मचारी नहीं रखते, लेकिन ठेकेदारों के जरिये ये काम बदस्तूर जारी है। फलत- सीवर में उतरने से मरने वालों को न तो मुआवजा मिल पाता है और न ही किसी की जवाबदेही तय हो पाती है। यह दुखद ही कि छह मई को बठिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए। पंद्रह मई को फरीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफाईकर्मी को बचाने के लिए सैप्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। निश्चित रूप से ये अलग-अलग दुर्घटनाएं नहीं हैं बल्कि ये व्यवस्था की विद्रूपता के चलते हुई हत्याएं हैं। जिसके कारक तंत्र की उदासीनता, अवैधता और जातीय विवशता में निहित हैं। विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। सुरक्षा उपकरण नदारद रहते हैं। अकसर इसकी जवाबदेही से बचा जाता है। बठिंडा में लोगों के विरोध के बाद एक निजी ठेकेदार के खिलाफ देर से प्राथमिकी दर्ज जरूर की गई, लेकिन फरीदाबाद और रोहतक में मामला दर्ज होने की कोई खबर नहीं है।

दरअसल, अक्सर सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाईकर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। दुर्भाग्य से इन हादसों का स्याह पक्ष जातीय विद्रूपता भी है। अधिकांश सफाई कर्मचारी समाज में हाशिये पर पड़े समुदायों से आते हैं। सफाई जैसा महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। सीवर सफाई के लिये मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता।

कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फांक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेंजिंग एक काला धब्बा है। न्यायपालिका सख्ती से इसे रोकने को कहती है, सत्ताधीश आदेश की औपचारिकता पूरी करते हैं, लेकिन फिर भी सीवर की जहरीली गैस में लोगों के मरने का सिलसिला थमा नहीं है। किसी सफाईकर्मी के मरने पर कुछ समय तो हो-हल्ला होता है, मगर फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वक्त की दरकार है कि नगर निकायों को इन हादसों के लिये सीधे जवाबदेह बनाया जाए। सीवर की सफाई से जुड़ी मौत के लिये स्वत- कानूनी कार्रवाई, तत्काल मुआवजा और विभागीय कार्रवाई की जाए। मानवीय श्रम की जगह तकनीक के उपयोग से बहुमूल्य जीवन को बचाया जाना चाहिए। ये काम सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे। बदलाव व्यवहार में भी नजर आए। हमारे कानून को ठीक से लागू न कर पाने से किसी की दर्दनाक मौत नहीं होनी चाहिए।

सीवर कर्मियों की मौत पर रोते-बिलखते और असहाय परिवारों का अंतहीन दर्द अब खत्म होना ही चाहिए। दुर्भाग्य से परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के मर जाने के बाद उसके परिवार व बच्चों की परवरिश की कोई व्यवस्था नहीं होती। उन्हें मुआवजा देने से भी ठेकेदार बच जाते हैं। ऐसे परिवारों के पुनर्वास को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

किसान कार्यकर्ता, जिसने उम्मीद के बीज बोए

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है।मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के एक किसान ने बरसों से परती पड़ी जमीन को न केवल उपजाऊ बना लिया है बल्कि उसमें पेड़ लगाकर उसे हरा-भरा भी कर लिया है। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है। लेकिन यह किसान सिर्फ खुद ही पौष्टिक अनाज की खेती नहीं करते, बल्कि एक संस्था से जुड़कर आदिवासियों को भी जैविक खेती के तौर-तरीके सिखा रहे हैं। यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह पूरी तरह जैविक है, श्रम आधारित है, और कम लागत वाली है, जो इस समय की जरूरत है। आज इस कॉलम में एक किसान कार्यकर्ता की लगन, जिद और मेहनत की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे बिना रासायनिक खेती की बारीकियां समझी जा सकें।अनूपपुर से मात्र 10 किलोमीटर दूर है जमूड़ी गांव, और यहीं है महेश शर्मा के परिवार की जमीन। कुछ समय पहले इस खेती को देखने के लिए मैं जमूड़ी गया। लम्बे अरसे से जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर महेश शर्मा काम कर रहे हैं। पहले वे छत्तीसगढ़ में खेती का काम कर रहे थे, जहां बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का कार्यक्षेत्र है। जब संस्था के कार्यक्षेत्र का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हुआ, तब यहां भी खेती कार्यक्रम शुरू हो गया। वैसे तो यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है, पर संस्था का मानना है कि सिर्फ बीमारी का इलाज ही नहीं, उसकी रोकथाम भी जरूरी है। इसके लिए जैविक तरीके से पौष्टिक अनाजों व सब्जी बाड़ी की खेती पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोगों को पोषणयुक्त भोजन मिले और उनका स्वास्थ्य बेहतर हो। इसी के मद्देनजर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ प्रखंड में आदिवासियों के बीच पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है।जैविक खेती करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवार की जमूड़ी गांव में 5 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर उन्होंने 5 साल पहले खेती शुरू करना शुरु किया। इसके पहले यह जमीन बंजर पड़ी थी। लेकिन बहुत ही कम समय में उन्होंने इस जमीन को उपजाऊ बना लिया है। और वह भी पूरी तरह जैविक तौर-तरीके अपनाकर। सबसे पहले मल्चिंग की, यानी हरी खाद से भूमि का ढकाव, जिससे जमीन उपजाऊ हुई, हवादार, पोली और भुरभुरी हुई। और फिर इसमें कई तरह के फलदार पेड़ भी रोपे।

वे आगे बतलाते हैं कि खेत में हरी सब्जियां व मसाले भी उगाते हैं। मड़िया, अरहर, तिल्ली, मूंगफली, अमाड़ी और धान इत्यादि भी लगाते हैं। उनके खेत में सब्जियों में लौकी, करेला, सेमी, बरबटी, भिंडी, बैंगन इत्यादि की खेती अच्छी होती है। उन्होंने अब घर के लिए सब्जियां व मसाले खरीदना बंद कर दिया है। राजगिरा, मिर्च, मैथी, धनिया, प्याज, आलू, टमाटर इत्यादि की फसलें होती हैं। और इन सबसे उनकी घर के खाने की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं। हल्दी और मडिया की बिक्री किसान मेलों में हो जाती है। जनस्वास्थ्य सहयोग संस्था मडिया के बिस्कुट भी बनाती है।उन्होंने बताया कि खेतों की मेड़ों में बड़ी संख्या में फलदार पेड़ भी लगाए हैं। अगर पेड़ होते हैं तो पक्षी आते हैं, और ये पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। यहां अमरूद के 45 पेड़, नींबू के 4, आम के 11, सीताफल के 8, केले के 40, अनार के 5, महुआ के 15, पपीता के 12, और करौंदे के 20 पेड़ लगाए हैं। सेमरा के 100 से ज्यादा पेड़ लगाकर खेत की बागुड़ कर दी है।वे आगे बताते हैं कि महुआ फूल की बिक्री से ही उन्हें इस वर्ष 20 हजार रूपए मिले, जिससे उन्होंने देसी गोबर खाद खरीदा, और पूरी जुताई व बुआई करवाई। इस सबमें लगभग 15 हजार की राशि खर्च हुई। धान की खेती बिना रासायनिक खाद व बिना कीटनाशक के की है। यानी महुआ फूल बेचकर जो राशि मिली, उसी में पूरी खेती की लागत निकल गई।उनके पास दो कुआं हैं, दोनों ही सूख चुके थे, लेकिन जब तालाब बनाया तो दोनों ही कुएं फिर से पानीदार हो गए। अनूपपुर जिले की सीमा से छत्तीसगढ़ राज्य लगा हुआ है, जहां की तालाब संस्कृति प्रसिद्ध है। वहां एक गांव में कई तालाब होते हैं। महेश शर्मा इस संस्कृति से भलीभांति परिचित हैं, और इसलिए उन्होंने खेत का पानी खेत में रोकने का जतन किया। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है।वे बतलाते हैं कि जो पेड़ लगाए थे, वे अब फल देने लगे हैं। करौंदा में पहली बार फल आ गए हैं। अमरूद और पपीता फलने लगे हैं। खेत में बाजरा के भुट्टे लहरा रहे हैं। कुदरती तौर पर होनेवाली गूजा की हरी पत्तीदार साग हुई है।महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है, जहां कई तरह के देसी अनाजों के बीजों का संग्रह है। विशेषकर, देसी धान की कई किस्में उनके बीज बैंक में हैं। इसके अलावा, जैविक खेती के तौर-तरीकों का प्रशिक्षण भी देते हैं।जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के डॉ. पंकज तिवारी बतलाते हैं कि पुष्पराजगढ़ प्रखंड काफी पिछड़ा है और आदिवासी बहुल है। इस क्षेत्र के लोग ज्यादातर मजदूरी और खेती करके जीवनयापन करते हैं। यहां बच्चों में कुपोषण देखा जाता है। इसे दूर करने के लिए संस्था की ओर से 3 साल तक के छोटे बच्चों के लिए झूलाघर की तरह फुलवारी संचालित की जाती हैं। इन फुलवारियों में हरी सब्जियां उगाई जाती हैं, जो बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में शामिल की जाती हैं। इसके अलावा, किसानों को पौष्टिक अनाज की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस साल 85 किसानों ने जैविक खेती की है। इसके अलावा, इन्हीं किसानों के साथ मशरूम की खेती भी की जा रही है।वे आगे बताते हैं कि सब्जी बाड़ी में लौकी, भिंडी, कद्दू, करेला, भटा और मिर्ची उगाई जाती है। अक्टूबर से फरवरी तक सब्जी बाड़ी से हरी सब्जियां मिलती हैं। सब्जी बाड़ी में अलग से पानी देने की जरूरत भी नहीं है। फुलवारी में बच्चों को जो हाथ धुलाने के लिए जो पानी इस्तेमाल होता है, उसी से सब्जी बाड़ी को पानी मिल जाता है।महेश शर्मा ने बताया कि महिला किसानों ने भी मडिया की खेती की है। उपरीकला की फुलवारी कार्यकर्ता लीलाबाई, प्यारी गांव की फुलवारी कार्यकर्ता कौशल्याबाई जैसी कई किसानों ने मडिया की खेती की है।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है महेश शर्मा व जन स्वास्थ्य सहयोग की पहल से देसी बीजों के साथ पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है। इस खेती में खर्च न के बराबर है। न रासायनिक खाद की जरूरत और न ही कीटनाशक की। यह खेती पूरी तरह जैविक है। वृक्ष खेती यानी पेडों से जैव खाद मिलती है, पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। खेत का पानी खेत में रोककर तालाब में बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा जा रहा है। इसमें भूजल उलीचने के लिए किसी भी प्रकार की बिजली, डीजल की जरूरत नहीं है।इसके अलावा, आदिवासी किसानों को भी खेती के तौर-तरीके सिखाएं जा रहे हैं। विशेषकर, महिला किसानों को इससे जोड़ा जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। लुप्त हो रहे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन भी हो रहा है। मडिया व मशरूम की खेती की जा रही है। इससे लोगों की सेहत में सुधार हो रहा है और कुछ आमदनी भी बढ़ रही है। जलवायु बदलाव के इस दौर में पेड़ों के साथ पौष्टिक अनाज व बिना मशीनीकरण के खेती का महत्व और भी बढ़ जाता है, जिससे जैव विविधता व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कुल मिलाकर, यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

शक्कर महंगी, खाद्य तेल में नरमी, दलहन, दाल मजबूत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर मांग से ऊंची बिकी। खाद्य तेलों में नरमी रही। आज पाम तेल नीचा बोला गया। तिलहन में लिवाली रही। दलहन मजबूत रहे। आज दालों में मांग रही। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना बाजार: सियागंज किराना बाजार में शक्कर मांग से महंगी बिकी। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ मजबूत रहा। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया।

तेल-तिलहन: खाद्य तेलों में कमी दर्ज की गई। आज पाम तेल सस्ता हुआ। तिलहन में पूछपरख के चलते मजबूती रही।

दाल-दलहन: संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में मांग बनी रही।दालों में उठाव बना बताया गया। चावल में मजबूती दर्ज की गई।

यूएस से भेजे गए पैसे पर कर लगाने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार उस पैसे पर पांच फीसदी कर लगाने की योजना बना रही है, जो विदेशी नागरिक अपने देशों में भेजते हैं। इस पर भारत में चिंता जताई जा रही है, क्योंकि इससे भारतीय परिवारों की आय पर असर पड सकता है। जीटीआरआई ने रविवार को यह बात कही। प्रतिनिधि सभा में 12 मई को एक विधेयक पेश किया गया था। जिसे 'द वन बिग ब्यूटीफुल बिल' कहा जा रहा है। इसमें गैर-निवासियों की ओर से अपने देशों में भेजे जा रहे पैसे पर पांच फीसदी कर लगाने का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान उन लोगों पर लागू होगा, जो अमेरिका के नागरिक नहीं हैं, जैसे ग्रीन कार्ड धारक या अस्थायी वीजा पर काम करने वाले लोग (जैसे H-1B या H-2A वीजा वाले)। यह कर अमेरिका के नागरिकों पर नहीं लगेगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि यह प्रस्तावित कर भारत में चिंता का कारण बन रहा है, क्योंकि अगर यह कानून बनता है, तो भारत को हर साल अमेरिका से मिलने वाली मुद्रा में अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। इसने कहा, भारत के लिए यह अहम मामला है, क्योंकि देश को 2023-24 में 120 अरब डॉलर की रेमिटेंस हासिल हुई, जिसमें करीब 28 फीसदी अमेरिका से हासिल हुई।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था ट्रंप टैरिफ, भारत-पाकिस्तान तनाव, अमेरिका चीन टैरिफ मुद्दे पर पारस्परिक समझौता और यूक्रेन व रूस के शांति वार्ताओं से जुड़ी खबरों की वजह से काफी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी बढ़ सकती है। हाल ही में क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। यह फिलहाल 63-64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की रेंज में कारोबार कर रहा है और मांग के कारण इसके आउटलुक दबाव में हैं। श्रीराम ग्रुप की वेटूवेल्थ ब्रोकर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि हाल ही में अमेरिका-ईरान प्रतिबंध कम करने से दोनों देशों में व्यापार होने की संभावनाओं बढं गई हैं। इससे ईरानी तेल निर्यात बढ़ने की भी उम्मीद है। इसकी वजह से अचानक अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में वृद्धि हुई । वहीं आईईए के संशोधित आपूर्ति पूर्वानुमान की वजह से कीमतों गिरावट आई है। भविष्य में मांग को लेकर आउटलुक दबाव में है। जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। एंजेल वन लिमिटेड के नॉन एग्री कमोडिटी उत्पाद और करेंसी विश्लेषक प्रथमेश माल्या कहते हैं, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह अमेरिका में कच्चे तेल के भंडार में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। जिससे निवेशकों में अतिरिक्त आपूर्ति की चिंता बढ़ गई है।

जीटीआरआई ने कहा, एपल को भारत से निकालने के पीछे उच्च टैरिफ को लेकर दबाव बनाना चाहता है अमेरिका

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली एपल को भारत से निकालने के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को भारत पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही है। ऐसे में ट्रंप चाहते हैं कि कुछ फैसला होने से पहले ही भारत पर टैरिफ को लेकर इस तरह से दबाव बनाया जाए। ग्लोबल ट्रेड इनिशिएटीव रिसर्च (जीटीआरआई) के मुताबिक, यह ट्रेड टैरिफ के मामले में भारत को दबाने की ट्रंप की चाल हो सकती है। ट्रंप ने टिम कुक से चीन से विनिर्माण इकाई को स्थानांतरित करने के लिए अभी तक नहीं कहा है, जबकि एपल 85 फीसदी आईफोन चीन में बनाती है। भारत का योगदान सिर्फ 15 फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार, एपल विनिर्माण इकाइयों को बाहर ले जाती है तो इससे भारत को राजस्व का बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा। हालांकि, नौकरियों पर जरूर असर पड़ेगा, क्योंकि देश में सस्ते वेतन पर लोग मिल जाते हैं। इस फैसले से एपल को ही ज्यादा नुकसान हो सकता है। भारत प्रति आईफोन से 30 डॉलर कमाता है।

डीजीटीआर ने मनाई 8वीं वर्षगांठ, निष्पक्ष व्यापार के प्रति दोहराई अपनी प्रतिबद्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया। डीजीटीआर ने यह जश्न भारतीय उद्योगों को अनुचित व्यापार प्रथाओं और आयात में अचानक वृद्धि से बचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए मनाया।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने व्यापार उपचार महानिदेशालय को उनकी 8वीं वर्षगांठ पर बधाई। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार व्यापार उपचार जांच में दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पेश करने के लिए एक डिजिटल मंच विकसित कर रही है। सरकार व्यापार समाधान जांच में ई-फाइलिंग के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करेगी। मंत्रालय ने कहा इस मंच के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिससे सभी हितधारकों के लिए पारदर्शिता, दक्षता और पहुंच में आसानी होगी। इस अवसर पर डीजीटीआर के महानिदेशक ने भारत के व्यापार उपचार पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता को बनाए रखने में संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि निदेशालय का मुख्य उद्देश्य समयबद्ध तरीके से जांच करके संवेदनशील क्षेत्रों को किसी भी निर्यातक देश से डंपिंग और सब्सिडी जैसे व्यापार उदारीकरण के प्रतिकूल प्रभाव से बचाना है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में व्यापार उपचार महानिदेशालय को उनकी 8वीं वर्षगांठ पर बधाई दी। गोयल ने लिखा कि भारतीय उद्योग को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाने के लिए उनके अटूट समर्पण ने हमारे घरेलू खिलाड़ियों, विशेष रूप से हमारे छोटे व्यवसायों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया है। नियम-आधारित व्यापार को बढ़ावा देकर@DGTR_GOI हमारे व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि भारत ने 1995 से अब तक 1,200 से ज्यादा व्यापार उपचार जांचें शुरू की हैं और हाल ही में किए गए हस्तक्षेपों ने सौर ऊर्जा और उन्नत सामग्री जैसे कि सौर सेल और तांबे के तार की छड़ों सहित घरेलू क्षेत्रों को अनुचित मूल्य वाले आयात और सब्सिडी वाले सामानों से बचाया है। ये जांच वाणिज्य मंत्रालय की शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा की जाती है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 20 रुपये के नए नोट करेगा जारी

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) जल्द ही महात्मा गांधी (नई) सीरीज में 20 रुपये मूल्यवर्ग के नए बैंक नोट जारी करेगा। इन नोटों पर गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। आरबीआई ने जारी बयान में बताया है कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला में 20 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट जारी किए जाएंगे, जिन पर गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। बयान के अनुसार इन नोटों का डिजाइन हर तरह से महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों जैसा ही है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा अतीत में जारी किए गए 20 रुपये मूल्यवर्ग के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। नए 20 रुपये के बैंक नोटों का डिजाइन मौजूदा महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 रुपये के नोटों जैसा ही रहेगा। आरबीआई के मुताबिक डिजाइन, रंग या सुरक्षा सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। बयान के मुताबिक रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए 20 रुपये के सभी पिछले संस्करण वैध मुद्रा माने जाते रहेंगे और नई श्रृंखला के

साथ प्रचलन में बने रहेंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह अपडेट आरबीआई द्वारा नियमित रूप से जारी किए जाने वाले बैंक नोटों का हिस्सा है, जिसमें रिजर्व बैंक गवर्नर के हस्ताक्षर अपडेट किए गए हैं। आरबीआई के मुताबिक इससे बाजार में पहले से मौजूद उसी मूल्यवर्ग के मौजूदा 20 रुपये के करेंसी नोटों की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ता है।

मंत्री मनोहर लाल ब्राजील दौरे पर, ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल 19 मई को होने वाली ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। बैठक में भारत ऊर्जा क्षेत्र में पिछले दशक की अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करेगा। ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों के साथ समावेशी और सतत वैश्विक शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को सशक्त बनाना विषय के तहत ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच, सामर्थ्य और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में भारत पिछले दशक में अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, जिसमें बिजली क्षमता में 90 फीसदी की वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन में नेतृत्व, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास शामिल है। इसके साथ ही देश ऊर्जा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने और ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करेगा। बयान में कहा गया है कि मंत्री मनोहर लाल की यह यात्रा एक मजबूत, भविष्योन्मुख और टिकाऊ ऊर्जा क्षेत्र के निर्माण में ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है।

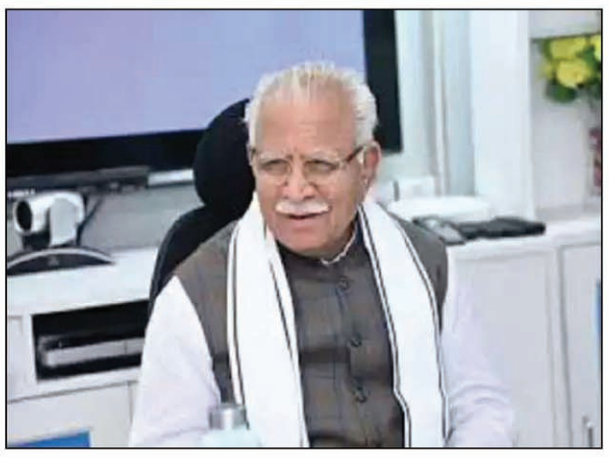

डीपीआईआईटी ने जलवायु-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए जीईएपीपी से किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने देश के स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता में तेजी लाने के लिए ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट (जीईएपीपी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक सुमीत जारंगल और जीईएपीपी के भारत उपाध्यक्ष सौरभ कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य भारत की नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप स्केलेबल, निवेश योग्य उपक्रमों की एक मजबूत पाइपलाइन बनाना है। इस समझौता ज्ञापन के तहत जीईएपीपी 'एनर्जी ट्रांजिशन इनोवेशन चैलेंज' (एंटाइस) पेश करेगा, जो एक प्रतिस्पर्धी मंच है। यह उच्च प्रभाव वाले समाधानों के लिए 5 लाख डॉलर तक का पुरस्कार प्रदान करता है। डीपीआईआईटी में संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह साझेदारी स्वच्छ ऊर्जा स्टार्टअप के लिए देश के दीर्घकालिक शुद्ध-शून्य उद्देश्यों का समर्थन करने वाली प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवसर खोलेगी। स्पेक्ट्रम इम्पैक्ट और अवाना कैपिटल जैसे भागीदारों के माध्यम से निवेश सहायता भी सुगम बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि विस्तार के प्रावधान के साथ दो साल की साझेदारी, फंडिंग एक्सेस, मेंटरशिप, पायलट अवसरों और बाजार लिंकेज के माध्यम से शुरुआती चरण के जलवायु-तकनीक स्टार्टअप का समर्थन करेगी।

आईआईसीए और डीजीआर ने वरिष्ठों के लिए दूसरा प्रमाणन कार्यक्रम पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली।इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) और डायरेक्टरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) ने वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ स्वतंत्र निदेशक के लिए दूसरा प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्?न किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के 30 उच्च-श्रेणी के अधिकारी शामिल हुए।कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) ने डायरेक्टरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) के साथ मिलकर 5 से 16 मई, 2025 तक गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईआईसीए कैंपस में वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ विशेष प्रमाणन कार्यक्रम का दूसरे बैच का समापन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के 30 उच्च-श्रेणी के अधिकारी शामिल हुए। मंत्रालय ने कहा कि प्रतिभागियों में एयर मार्शल, वाइस एडमिरल, रियर एडमिरल, एयर वाइस मार्शल, मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल और ग्रुप कैप्टन सहित अन्?य श्रेणियों के कुल 30 वरिष्ठ अधिकारियों ने द्वि साप्ताहिक प्रमाणन कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान सभी ने अपने कॉर्पोरेट प्रशासन कौशल को बढ़ाने और सैन्य और कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रतिच्छेदन को समझने पर ध्यान केंद्रित किया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईसीए के डीजी एवं मुख्?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने की। समापन कार्यक्रम को लेफ्टिनेंट जनरल एसबीके सिंह, एसएम, डायरेक्टर जनरल, डीजीआर एंड वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन ने भी संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सशस्त्र बलों और कॉरपोरेट जगत में होने वाले अनुभवों के बीच समानताएं बताईं। उन्होंने रेखांकित किया कि कॉरपोरेट में सुशासन के लिए आवश्यक शर्तें-नैतिकता और अखंडता, सशस्त्र बलों में पहले ही मौजूद हैं। आईआईसीए के डीजी एवं सीईओ ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने उभरते भारतीय कॉरपोरेट परिदृश्य में अनुभवी लोगों की ओर से निभाई जाने वाली अपेक्षित भूमिकाओं के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.41 प्रतिशत उबलकर 62.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 65.33 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

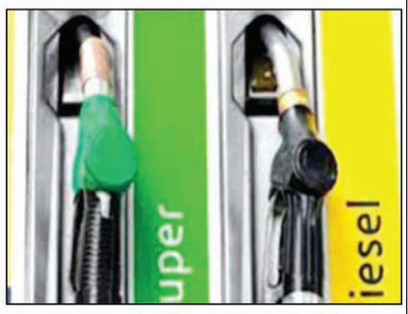

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मंत्रिस्तरीय वार्ता आज से, गोयल करेंगे अगुवाई

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर मंत्रिस्तरीय वार्ता वाशिंगटन डीसी में होगी। आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए होने वाली बैठकों में दोनों देशों के शीर्ष व्यापार और वाणिज्य अधिकारी शामिल होंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपने चार दिवसीय दौरे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर विचार-विमर्श करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपने चार दिवसीय दौरे पर पहले अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और बाद में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ प्रस्तावित व?यापार समझौते पर विचार-विमर्श करेंगे। यह पीयूष गोयल की प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इस वर्ष मार्च में वाणिज्य मंत्री ने ग्रीर और लुटनिक के साथ द्विपक्षीय बैठकें की थीं। 'बीटीए पर बातचीत को राजनीतिक दिशा देने के लिए दोनों देशों के मंत्री राजनीतिक स्तर की चर्चा करेंगे। इसके साथ ही वे पिछले दो महीनों में वार्ता में हुई प्रगति का आकलन भी करेंगे।' मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद 19 मई से 22 मई तक दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच विचार-विमर्श होगा। यह बैठकें ऐसे समय में होने जा रही हैं, जब दोनों देश इस साल सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने से पहले 'शीघ्र आपसी लाभ' हासिल करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था की संभावना तलाश रहे हैं। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने पिछले महीने वाशिंगटन में तीन दिवसीय विचार-विमर्श किया था। दोनों देशों के अधिकारी बीटीए पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 90 दिवसीय शुल्क विराम अवधि का लाभ उठाना चाहते हैं।

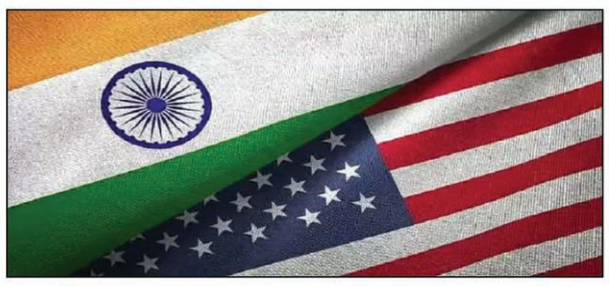

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर के स्ट्रॉबेरी की कीमतों में भारी गिरावट

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में सर्दियों के बाद सबसे पहले पकने वाला फल स्ट्रॉबेरी स्थानीय बाजारों में आ गया है, लेकिन किसानों के बीच इसको लेकर कोई खास उत्साह नहीं देखने को मिल रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के कारण मांग और कीमतों में अचानक आई गिरावट ने स्ट्रॉबेरी उत्पादकों को इस समय घाटा उठाना पड़ रहा है। श्रीनगर के बाहरी इलाके हजरतबल के गुस्सो गांव के किसानों का कहना है कि पहलगाम की घटना ने स्ट्रॉबेरी बाजार पर बुरा असर डाला है। गुस्सो के किसान मंजूर अहमद ने कहा, ÷स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों को स्ट्रॉबेरी का बेसब्री से इंतजार रहता है और बाजार में शुरुआत में काफी उत्साह था, लेकिन पहलगाम की घटना ने रातों-रात सब कुछ बदल दिया। कीमतें गिर गईं और मांग खत्म हो गई।पिछले आठ वर्षों से स्ट्रॉबेरी की खेती कर रहे मंजूर ने बताया कि जो फल पहले 80 से 100 रुपये प्रति पेटी मिलता था, वह अब 40 रुपये में बिक रहा है। इसी तरह, बड़े बक्से जो कभी 600 रुपये में मिलते थे, अब 250 रुपये में बिक रहे हैं। उन्होंने कहा, इस फल की शेल्फ लाइफ बहुत कम होती है। एक बार कटाई के बाद केवल तीन से चार दिन ही इसे सुरक्षित रखा जा सकता है। हम इसे बर्बाद नहीं होने दे सकते हैं। उन्होंने भंडारण और परिवहन सुविधाओं की कमी पर निराशा व्यक्त की।कश्मीर में स्ट्रॉबेरी की खेती एक अपेक्षाकृत नई प्रथा है। श्रीनगर और गंदेरबल के कुछ हिस्सों में कई किसान पारंपरिक सब्जी की खेती से इस फसल की ओर रुख कर रहे हैं। गुस्सू घाटी में प्रमुख स्ट्रॉबेरी उत्पादक क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर में सालाना 300 मीट्रिक टन से अधिक स्ट्रॉबेरी का उत्पादन होता है। पिछले साल जम्मू- कश्मीर प्रशासन ने स्ट्रॉबेरी को जम्मू के बाजारों में ले जाने के लिए रेफ्रिजरेटेड वाहनों की व्यवस्था की थी, जिससे नुकसान को रोकने में मदद मिली। हालांकि, किसानों का आरोप है कि इस साल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। श्री मंजूर ने कहा, किसान असहाय हैं। कई लोग अब बार-बार होने वाली असफलताओं और सिकुड़ती कृषि भूमि के कारण स्ट्रॉबेरी की खेती को पूरी तरह से छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

एलपीजी पर तेल कंपनियों का घाटा लगभग 45फीसदी तक कम होने की उम्मीद, रिपोर्ट में बताया गया

एजेंसी

मुंबई। यह कारण अगर कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रहती हैं, तो तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को एलपीजी से होने वाले घाटे में वित्त वर्ष 26 में लगभग 45 प्रतिशत की कमी आ सकती है। केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगले वित्त वर्ष में संचयी एलपीजी अंडर-रिकवरी में काफी कमी आने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण उच्च खुदरा कीमतों और कम अंतरराष्ट्रीय एलपीजी कीमतों का मिश्रण है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अगर कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती हैं, तो संचयी रूप से, वित्त वर्ष 26 में एलपीजी अंडर-रिकवरी में 45फीसदी की कमी आने की उम्मीद है।' अंडर-रिकवरी तेल कंपनियों को होने वाले घाटे के बारे में बताती है। ये कंपनियां एलपीजी सिलेंडर को उनकी लागत मूल्य से कम पर बेचती हैं, ऐसा घरों में खाना पकाने की गैस को किफायती रखने के लिए किया जाता है। भारत में, लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी खपत घरेलू खाना पकाने के लिए उपयोग की जाती है, जबकि शेष 10 प्रतिशत का उपयोग औद्योगिक, वाणिज्यिक और मोटर वाहन क्षेत्रों में किया जाता है। पिछले दस वर्षों में, घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 1 अप्रैल 2025 तक लगभग 33 करोड़ तक पहुंच गई है।

भारत ने बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स और प्रोसेस्ड फूड की एंट्री पर लगाया बैन

एजेंसी

नई दिल्ली।एक महत्वपूर्ण व्यापार नीति बदलाव के तहत भारत ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के माध्यम से देश में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी), प्रोसेस्ड फूड और अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बांग्लादेश से भारत में रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड जैसे कुछ सामानों के आयात पर भूमि बंदरगाह प्रतिबंध लगाते हुए एक अधिसूचना जारी की। डीजीएफटी ने अपनी अधिसूचना में कहा, हालांकि, इस तरह के बंदरगाह प्रतिबंध भारत से होकर गुजरने वाले बांग्लादेशी सामानों पर लागू नहीं होंगे, लेकिन नेपाल और भूटान के लिए आने वाले समान पर लागू होंगे। निर्देश के अनुसार, बांग्लादेश से सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेंट्स का आयात किसी भी भूमि बंदरगाह से नहीं किया जाएगा, हालांकि, इसे केवल न्हावा शेवा और कोलकाता बंदरगाहों के माध्यम से अनुमति दी गई है। अन्य प्रतिबंध फल या फल के स्वाद वाले और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के आयात, प्रोसेस्ड फूड आइटम्स, कपास और सूती धागे का वेस्ट, प्लास्टिक और पीवीसी तैयार माल और लकड़ी के फर्नीचर पर हैं। इन वस्तुओं को असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में किसी भी लैंड कस्टम स्टेशन (एलसीएस) या इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाएगी । साथ ही पश्चिम बंगाल में एलसीएस चंगराबांधा और फुलबारी से भी नुमति नहीं होगी। अधिसूचना में आगे लिखा गया है कि बंदरगाह प्रतिबंध बांग्लादेश से मछली, एलपीजी, खाद्य तेल और क्रश्ड स्टोन के आयात पर लागू नहीं होते हैं। इससे पहले अप्रैल में बांग्लादेश सरकार ने राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) की अधिसूचना के माध्यम से भूमि बंदरगाहों के जरिए भारत से देश में यार्न के आयात पर प्रतिबंध लगाया था। बांग्लादेश के इस फैसले को देखते हुए ही भारत ने यह नया कदम उठाया है। भारत, बांग्लादेश के लिए ट्रांस-शिपमेंट सुविधा को भी समाप्त कर चुका है। भारत चीन के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2022-23 में, बांग्लादेश-भारत व्यापार लगभग 16 बिलियन डॉलर का था। इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, बांग्लादेश ने लगभग 14 बिलियन डॉलर का सामान आयात किया, जबकि भारत को उसका निर्यात 2 बिलियन डॉलर रहा।

गाजा में इजराइल ने शुरू किया 'ऑपरेशन गिदोन रथ', बंधकों की रिहाई के लिए हमास पर दबाव बढ़ाया

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल ने गाजा पट्टी में 'ऑपरेशन गिदोन रथ' नामक एक नया सैन्य अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य हमास पर दबाव बनाकर बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है। इस अभियान की घोषणा इजराइली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने की। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन पूरी ताकत के साथ संचालित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले ही संकेत दिया था कि गाजा में हमास को समाप्त करने और बंधकों को छुड़ाने के लिए दबाव और तेज किया जाएगा। यह सैन्य अभियान ऐसे समय में शुरू किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मध्य पूर्व दौरा समाप्त किया, लेकिन इस बार वे इजराइल नहीं गए। ट्रंप की यात्रा से पहले कुछ उम्मीदें थीं कि इससे संघर्ष विराम या मानवीय सहायता बहाल हो सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में इजराइली हमलों में 150 से अधिक लोगों की मौत हुई है। कुल मिलाकर, 18 मार्च को संघर्षविराम टूटने के बाद से 3,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हमलों में जबालिया शरणार्थी शिविर में एक घर पर हमला हुआ, जिसमें चार बच्चों की मौत हो गई। दिर अल-बलाह में भी एक महिला और तीन बच्चों सहित कई लोगों की जान गई।

'घबराए' पाकिस्तान ने फिर उतारी भारत की 'नकल', बिलावल भुट्टो विदेश में 'शांति प्रतिनिधिमंडल' का करेंगे नेतृत्व

इस्लामाबाद। घबराए पाकिस्तान ने भारत की नकल करते हुए अपने प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने का फैसला किया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से विदेशी राजधानियों में तथाकथित अपना 'शांति का मामला' पेश करने को कहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 7 से 10 मई तक चार दिनों तक चली सैन्य झड़प में अपमान का सामना करने वाला पाकिस्तान, भारत के हर कदम को फॉलो कर रहा है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करते हुए शहबाज शरीफ सेना का हौसला बढ़ाने पहुंचे तो अब भुट्टो से वैश्विक मंच पर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। इसकी घोषणा करते हुए भुट्टो ने एक्स पर कहा कि शहबाज शरीफ ने उनसे संपर्क किया था, जिन्होंने उनसे एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज सुबह प्रधानमंत्री सीएम शहबाज ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने और इन चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'

पाकिस्तान में भुखमरी: गंभीर खाद्य असुरक्षा से प्रभावित हो सकते हैं एक करोड़ से ज्यादा लोग, यूएन की रिपोर्ट

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक पाकिस्तान में गंभीर खाद्य असुरक्षा (भुखमरी) बनी रही। रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 1.1 करोड़ लोगों को इस असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तानी अखबार की खबर में यह जानकारी दी गई। एफएओ की 'खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट-2025' के मुताबिक, पाकिस्तान के 68 ग्रामीण जिले की 22 फीसदी आबादी को गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसमें खासकर बाढ़ प्रभावित बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा भी शामिल हैं। इसमें से 17 लाख लोग आपात स्थिति में हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में भुखमरी की स्थिति का सर्वेक्षण किया गया था, तब 3.67 करोड़ लोगों को इसमें शामिल किया गया था। लेकिन 2025 में 5.08 करोड़ लोगों को इसमें शामिल किया गया। इसमें 25 और जिलों को शामिल किया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मौसम की चरम स्थितियां (जैसे बाढ़, सूखा) लोगों की आजीविका को प्रभावित करेंगी। हालांकि, पिछले साल की तुलना में स्थिति कुछ बेहतर रहेगी।

उत्तरी मेक्सिको में घर में आग लगने से 7 की मौत

मेक्सिको सिटी। उत्तरी मेक्सिको के कोआहुइला राज्य के साल्टिलो शहर मेंसुबह एक घर में आग लगने से पांच बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। आग सुबह करीब 4 बजे लगी और घर के अंदर कॉस्मेटिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एसीटोन, सॉल्वेंट्स और पेंट जैसे ज्वलनशील पदार्थों के कारण तेजी से फैल गई।

अधिकारियों ने पीड़ितों की पहचान 64 और 28 वर्ष की दो महिलाओं और पांच से 15 वर्ष की आयु के पांच बच्चों के रूप में की है। तीन अन्य घायल हो गए और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि आग संभवतः एक मोमबत्ती के ज्वलनशील उत्पादों के संपर्क में आने से लगी थी। अग्निशमन दल, पुलिस और आपातकालीन दल घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाई।

न्यूयॉर्क में मैक्सिकन जहाज पुल से टकराया, 2 की मौत, कई घायल

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में उत्सव मनाने जा रहा मैक्सिकन नौसेना का एक विशाल जहाज शनिवार शाम (स्थानीय समयानुसार) को ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी के अनुसार, कथित तौर पर यह जहाज मैक्सिकन सेना का कुआउथेमोक था। इसमें 277 लोग सवार थे। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 घायल हैं, 4 की हालत गंभीर है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो से पता चलता है कि जहाज का 147 फुट लंबा ऊपरी हिस्सा पुल के नीचे से सुरक्षित रूप से नहीं गुजर सकता था। ट्रैफिक ज्यादा था, इस वजह से हादसा हुआ। टक्कर जोरदार नहीं थी, नहीं तो कई और लोगों की जान जा सकती थी। हालांकि घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल था। मौके

पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने प्रेस कांफ्रेंस करके इस घटना की पुष्टि की। अधिकारियों ने मरने वाले दो चालक दल के सदस्यों के नाम जारी नहीं किए हैं। अग्निशमन अधिकारियों ने मोटर चालकों को चेतावनी दी कि वे ब्रुकलिन में न्यू डॉक स्ट्रीट और वॉटर स्ट्रीट के नजदीक ट्रैफिक जाम से जूझ सकते हैं। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट डालते हुए लोगों को इस घटना के संबंध में जानकारी देते हुए चेताया भी है। पोस्ट में बताया गया है, ÷भारी यातायात और महत्वपूर्ण आपातकालीन दल की मौजूदगी के कारण ब्रुकलिन ब्रिज के आसपास के क्षेत्रों का रुख करने से बचना चाहिए।÷ अमेरिकी मीडिया के मुताबिक इस सूचना के बाद ब्रुकलिन ब्रिज की सभी लेन दोनों दिशाओं में बंद कर दी गई थीं, बाद में इसे जनता के लिए फिर से खोल दिया गया। जिस पुल से मैक्सिकन जहाज टकराया है उसका नाम सस्पेंशन ब्रिज है। इसे अमेरिका के मशहूर पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। ब्रुकलिन और मैनहट्टन नदी पर यह पुल 1883 में बना था।

कोलंबिया ने चीन-नीत ब्रिक्स बैंक में शामिल होने के लिए आवेदन किया

एजेंसी

शंघाई/बोगोटा। कोलंबिया ने चीन के नेतृत्व में संचालित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सदस्यता के लिए आवेदन किया है। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों की बदलती विदेश नीति की दिशा की ओर संकेत करता है, जिसमें वे अब पारंपरिक अमेरिकी प्रभाव से हटकर चीन जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्रों की ओर रुख कर रहे हैं। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हाल ही में अपने चीन दौरे के दौरान शंघाई में ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति और एनडीबी की प्रमुख दिल्मा रूसेफ से मुलाकात की। पेट्रो ने घोषणा की कि उनका देश इस बहुपक्षीय विकास बैंक में 512 मिलियन अमेरिकी डॉलर के शेयर खरीदेगा। राष्ट्रपति पेट्रो ने विशेष रूप से उस 120 किलोमीटर लंबे नहर या रेलवे परियोजना का ज़िक्र किया जो कोलंबिया के अटलांटिक और प्रशांत महासागर के तटों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने इसे दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के लिहाज से रणनीतिक कड़ी बताया और आशा जताई कि एनडीबी से इस परियोजना को वित्तीय सहयोग मिलेगा। कोलंबिया एनडीबी में सदस्यता के लिए आवेदन करने वाला लैटिन अमेरिका का दूसरा देश है। इससे पहले 2021 में उरुग्वे ने इस बैंक में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि, कोलंबिया का यह कदम वॉशिंगटन में चिंता का कारण बन सकता है, क्योंकि यह देश अब तक अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और वॉर ऑन ड्रग्स अभियान का समर्थनकर्ता रहा है। इस बीच, अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह लैटिन अमेरिका में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) से जुड़ी परियोजनाओं के लिए किसी भी तरह की फंडिंग का विरोध करेगा।

चीन की विमान कंपनियों ने नेपाल का कानून मानने से क्या इनकार, सरकार को नहीं देतीं टैक्स

एजेंसी

काठमांडू। चीन की विमान कंपनियां नेपाल के नियम कानून को नहीं मानती हैं। नेपाल आने वाले सभी विमानों की कंपनियां यहां की सरकार को टैक्स देती हैं, लेकिन चीन की कोई भी एयरलाइंस नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देती हैं।

नेपाल के ऑडिटर जनरल ने बीते दिनों अपनी वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक की है। इसमें नेपाल में उड़ान भरने वाले चार चीनी एयरलाइंस कंपनियों के द्वारा सरकार के तरफ से निर्धारित टैक्स को नहीं देने पर सवाल खड़े किए हैं। सरकार को सौंपी गई इस रिपोर्ट के मुताबिक एयर चाइना, साउदर्न चाइना एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस और सिचुवान एयरलाइंस ने नेपाल सरकार के द्वारा निर्धारित टैक्स नहीं दिया है। ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि इन चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों से अन्य विदेशी एयरलाइंस की तरह टैक्स वसूला जाए। इसके मुताबिक दिसंबर 2024 तक इन चार चीनी एयरलाइंस कंपनी ने नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देने से करीब 400 करोड़ रूपये का घाटा हुआ है। उन्होंने नेपाल सरकार को जल्द से

जल्द टैक्स लेने अन्यथा इन विमान कंपनियों की सेवा सुविधा को बंद करने को कहा है। वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव रहे दिनेश घिमिरे ने कहा कि मंत्रालय के तरफ से बार बार चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों को टैक्स देने को लेकर पत्राचार किया गया, लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में तो चीनी राजदूत ने मंत्रालय में आकर टैक्स नहीं देने की बात की थी। चीनी राजदूत का कहना था कि चीन सरकार का नियम है विश्व में कहीं भी किसी भी एयरपोर्ट पर लैंड करने और उड़ान करने के लिए अतिरिक्त टैक्स या वैल्यू एडेड टैक्स (VAT) नहीं देना पड़ता है। फिर नेपाल में क्यों दिया जाए।

व्हाइट हाउस में लश्कर के संदिग्ध आतंकी की एंट्री, बनाया गया बोर्ड सदस्य

एजेंसी

वाशिंगटन,। अमेरिका के व्हाइट हाउस में एक ऐसे व्यक्ति की तैनाती हो गई है, जो कि लश्कर का संदिग्ध आतंकवादी रहा है। व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है। इन नियुक्तियों ने जहां भारत के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय जगत में चिंता पैदा कर दी है, वहीं दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रम्प के प्रशासन से खासे खफा हैं। दरअसल अमेरिका प्रशासन ने बीते व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स का गठन किया। इसमें इस्माइल रायर और मुस्लिम स्कालर शेख हमजा यूसूफ को भी नामित किया गया। कथित तौर पर इस्माइल रायर के इस्लामी जिहादियों से संबंध रहे हैं। दावा है कि इस्माइल रायर पहले रेंडेल रायर के नाम से जाना जाता था। कथित तौर पर इसके संबंध पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से रहे हैं। आरोप है कि रायर ने वर्ष 2000 में पाकिस्तान

> व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है।

में हुए लश्कर के ट्रेनिंग सेंटर में भाग लिया था और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा है। दूसरे नामित सदस्य शेख हमजा यूसूफ मुस्लिम स्कालर होने के साथ ही जायतूना कालेज के सह संस्थापक हैं। उन पर भी कथित तौर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों से संबंध रखने के आरोप हैं। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर ने इस्माइल रायर की तैनाती पर खासी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इसे अमेरिकी प्रशासन का एक आत्मघाती कदम बताते हे कहा इस्माइल रायर लश्कर ए तैयबा के आतंकी कैंप में ट्रेनिग ले चुका है। उसने कश्मीर में भारतीय ठिकानों पर फायरिंग जैसी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। अमेरिका की अदालत ने भी 2004 में रायर को आतंकवादी गतिविधियों के लिए दोषी पाते हुए 20 साल की सजा सुनाई थी। इसमें उसने 13 साल जेल में बिताए हैं। रायर ने वर्ष 2003 में मिडिल ईस्ट फोरम के साथ एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि मुझे लश्कर के लोग पसंद आए। यह एक चरमपंथी समूह नहीं हैं।

अमेरिका के मिसौरी और केंटकी राज्यों में भीषण तूफानों ने ली 21 लोगों की जान

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के मिसौरी और केंटकी राज्यों में आए भीषण तूफानों और बवंडरों (टॉर्नेडो) ने भारी तबाही मचाई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इन तूफानों में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई है, जबकि काफी लोग घायल हुए हैं।केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है। लॉरेल काउंटी में एक बवंडर ने जमकर तबाही मचाई, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शेरिफ जॉन रूट के कार्यालय ने बताया कि क्षेत्र में बचाव अभियान अब भी जारी है और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने शहर में 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है और बताया कि तूफान से 5,000 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, हमारा शहर शोक में डूबा है। यह नुकसान वास्तव में दिल दहला देने वाला है। स्कॉट काउंटी, जो सेंट लुइस से लगभग 209 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है, वहां भी एक बवंडर ने कहर बरपाया है। शेरिफ डेरेक व्हीटली ने बताया कि इस इलाके में 2 लोगों की जान चली गई, कई लोग घायल हुए और अनेक घर पूरी तरह तबाह हो गए। तूफानों का यह सिलसिला केवल इन दो राज्यों तक सीमित नहीं रहा। विस्कॉन्सिन, इलिनॉय, टेक्सास, इंडियाना, और फ्लोरिडा जैसे राज्यों में भी मौसम का भीषण कहर देखने को मिला। शिकागो क्षेत्र में धूल भरी आंधी की चेतावनी जारी की गई, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। इस बीच टेक्सास के सैन एंटोनियो और ऑस्टिन शहरों में भीषण गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित किया है। तापमान 35 से 40.5 डिग्री सैल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने हीट एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से सावधानी बरतने और हाइड्रेटेड रहने की अपील की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया : अली खामेनेई

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को 'झूठा' करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने 'पावर' का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है।अयातुल्लाह अली खामेनेई ने तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार, तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान

हैं।' ईरानी नेता ने कहा, 'ट्रंप ने कहा कि वह शांति के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं और यह उन्होंने झूठ बोला। उन्होंने, अन्य अमेरिकी अधिकारियों और अमेरिकी प्रशासन ने गाजा में हत्याओं को पूरा समर्थन दिया, उन्होंने किसी भी स्थान पर युद्ध भड़काने और अपने भाड़े के सैनिकों का समर्थन करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया है। अली खामेनेई ने इजरायल पर दिए अपने पूर्व के बयानों को दोहराया और उसे क्षेत्र का घातक और खतरनाक कैंसर बताते हुए उखाड़ फेंके जाने की आवश्यकता बताई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रीय देशों के दृढ़ संकल्प और प्रयासों के साथ, अमेरिका को इस क्षेत्र को अवश्य छोड़ना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में स्थित तीन खाड़ी अरब देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। सऊदी की राजधानी रियाद में दिए एक बयान में ट्रंप ने ईरान को मध्य पूर्व में 'सबसे विनाशकारी शक्ति' बताया था और उस पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिका ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा।

गोल्डन मटका

दिन	अंक	पाना	अंक	पाना	अंक	पाना
सोम	4	158 / 770	5	230 / 889	8	279 / 558
	40	04	52	25	80	08
मंगल	1	245 / 344	6	268 / 466	7	250 / 449
	16	61	62	26	72	27
बुध	5	140 / 156	8	350 / 558	9	568 / 900
	53	35	53	35	92	29
गुरू	2	246 / 778	7	124 / 700	0	569 / 550
	20	02	78	87	06	60
शुक्र	3	346 / 580	8	378 / 666	9	126 / 388
	36	63	85	58	91	19
शनि	1	489 / 227	6	178 / 600	8	567 / 233
	12	21	64	46	87	78

WEBSITE :- DPGOLDEN.COM / DPGOLDEN.IN, no -917224853358, 8960112434

Open 10.00 गुड मॉर्निंग का शुद्ध रिकोर्ड Close 11.00

07-04 2025	550 08 378	370 01 236	155 13 788	500 51 290	368 77 278	110 28 666
14-04 2025	220 47 566	447 55 230	138 23 580	478 91 236	223 70 677	455 44 130
21-04 2025	236 16 899	570 21 155	670 37 467	200 22 778	456 53 337	270 95 249
28-04 2025	130 40 226	578 06 358	266 40 370	560 18 116	347 47 278	260 88 134
05-05 2025	223 73 788	336 25 780	444 27 124	330 69 117	135 98 468	339 55 500
12-05 2025	448 61 227	379 91 678	136 02 660	689 32 336	134 84 248	140 53 148
19-05 2025						

Open 12.00 बॉम्बे एक्सप्रेस का शुद्ध रिकोर्ड Close 13.00

07-04 2025	368 73 247	336 28 440	669 10 127	228 25 456	259 66 222	338 40 190
14-04 2025	137 11 678	290 12 200	579 13 346	180 98 477	133 72 570	339 58 459
21-04 2025	690 50 244	449 75 140	379 99 478	688 28 800	890 70 677	138 29 333
28-04 2025	222 65 366	488 07 340	559 96 880	234 98 170	455 43 256	128 13 580
05-05 2025	457 63 580	226 04 338	445 33 247	770 40 280	160 72 688	344 17 179
12-05 2025	220 48 459	289 95 177	368 76 457	668 03 300	235 08 468	790 62 246
19-05 2025						

Open 14.00 गोल्डन डे का शुद्ध रिकोर्ड Close 15.00

07-04 2025	278 79 577	247 34 888	678 15 500	279 86 790	558 82 345	578 09 234
14-04 2025	580 39 568	159 55 122	145 07 449	459 87 269	446 43 788	239 40 550
21-04 2025	222 66 349	488 08 440	168 50 127	370 03 256	237 23 355	267 50 668
28-04 2025	344 15 230	470 11 579	134 81 669	188 76 268	470 10 280	179 78 666
05-05 2025	160 77 999	566 75 230	589 21 290	446 44 347	199 72 467	248 43 300
12-05 2025	579 12 246	127 08 666	138 23 256	770 46 222	125 83 689	349 64 455
19-05 2025						

Open 19.30 गोल्डस्टार का शुद्ध रिकोर्ड Close 20.30

07-04 2025	178 66 330	579 14 220	146 18 233	577 96 457	224 85 889	145 00 389
14-04 2025	360 98 459	299 03 166	146 10 668	699 48 224	690 54 347	148 31 489
21-04 2025	140 50 569	500 57 223	279 83 247	236 11 227	349 62 570	567 87 458
28-04 2025	479 02 570	127 02 345	600 65 366	227 19 135	150 62 345	237 28 134
05-05 2025	568 95 500	338 47 890	770 44 167	668 07 223	340 70 479	227 14 680
12-05 2025	279 85 168	468 83 346	260 81 245	379 92 660	144 95 230	888 42 110
19-05 2025						